■ पौष शुक्ल - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 157 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 31-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अभ्यर्थियों को बिहार पीएससी परीक्षा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का संदेह है : प्रशांत किशोर

6 भारत के विकास की असीम संभावनाओं वाला है नया वर्ष

7 मृणाल ठाकुर ने दिखाई 'दिसंबर' की डायरी से खास पलों की झलक

फर्स्ट टेक

नए साल के पहले दिन दुनिया की आबादी 8.09 अरब होगी

न्यूयॉर्क/एपी। नए साल के पहले दिन विश्व की जनसंख्या 8.09 अरब हो जाएगी और 2024 में दुनिया की आबादी में 7.1 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गयी। यह जानकारी सोमवार को जारी अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अनुमानों से मिली। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अनुसार, 2024 में वैश्विक आबादी में हुई वृद्धि 2023 की तुलना में थोड़ी कम है, जब दुनिया की आबादी में 7.5 करोड़ की वृद्धि हुई थी। अनुमानों के अनुसार, जनवरी 2025 में दुनिया भर में प्रति सेकंड 4.2 जन्म और 2.0 मौत होने का अनुमान है। जनगणना ब्यूरो के अनुसार, 2024 में अमेरिका की आबादी में 26 लाख की वृद्धि हुयी और नए साल के पहले दिन अमेरिका की आबादी 34.1 करोड़ होगी। जनगणना ब्यूरो के अनुसार, 2020 के दशक में अब तक, अमेरिकी आबादी में लगभग 97 लाख की वृद्धि हुई है।

देश का विदेशी कर्ज सितंबर में बढ़कर 711.8 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली/भाषा। भारत का विदेशी कर्ज इस साल सितंबर में बढ़कर 711.8 अरब डॉलर हो गया। यह जून, 2024 की तुलना में 4.3 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर, 2023 के अंत में, विदेशी कर्ज 637.1 अरब डॉलर था। 'भारत की तिमाही विदेशी ऋण' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर, 2024 में, देश का विदेशी ऋण 711.8 अरब डॉलर था। यह जून, 2024 के मुकाबले 29.6 अरब डॉलर अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर, 2024 में विदेशी ऋण और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात 19.4 प्रतिशत था, जो जून, 2024 में 18.8 प्रतिशत था।

चीन में दुनिया के सबसे लम्बी सुरंग का निर्माण पूर्ण

बीजिंग/एजेन्सी। चीन में शिनजियांग स्वायत्त क्षेत्र के उत्तरी और दक्षिणी भाग को जोड़ने वाले दुनिया के सबसे लम्बे सुरंग तियांशन शेंगली का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 14 मील लंबे इस सुरंग का निर्माण तिआंशां पर्वत के मध्य भाग में किया गया है। माना जा रहा है कि सुरंग पर यातायात के शुरू हो जाने के बाद इस पर्वत के एक से दूसरे छोर तक पहुंचने में सिर्फ 20 मिनट लगेंगे, जबकि इससे पहले यही दूरी तय करने में कई घंटे तक लग जाते थे। रिपोर्ट के मुताबिक, यह परियोजना दक्षिणी शिनजियांग में क्षेत्रीय राजधानी उरुमकी और उत्तरी शिनजियांग में युली काउंटी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा।

31-12-2024 सूर्यास्त 6:04 बजे | 01-01-2025 सूर्योदय 6:41 बजे

BSE	NSE
78,248.13	23,644.90
(-450.94)	(-168.50)

सोना	चांदी
8,014 रु.	91,295 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

स्पैडेक्स स्पेसक्राफ्ट का प्रक्षेपण सफल

जनवरी 2025 के प्रथम सप्ताह में होगा अंतरिक्ष डॉकिंग का प्रयास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

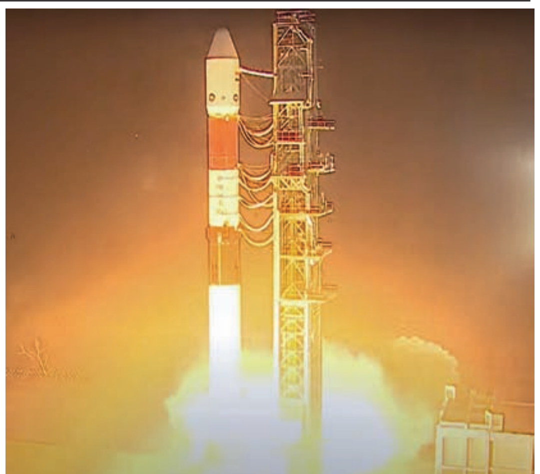

श्रीहरिकोटा, (आंध्र प्रदेश)/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्पेस डॉकिंग की क्षमता प्रदर्शित करने में मदद करने के मकसद से दो अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक अलग हो गए और उन्हें सोमवार देर रात पृथ्वी के निचले वांछित कक्ष में स्थापित कर दिया गया है।

यह प्रोद्यौगिकी भविष्य में अंतरिक्ष अभियान के लिए इसरो की मदद करेगी।

अभियान के निदेशक एम जयकुमार ने कहा, ''स्पैडेक्स अंतरिक्ष यान की जहां तक बात है, पीएसएलवी सी-60 अभियान पूरा हुआ।''

इस अभियान को इसरो द्वारा 2035 तक खुद का अंतिरक्ष स्टेशन स्थापित करने से पहले का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पीएसएलवी सी-60 अभियान के कारण भारत एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएगा, क्योंकि वह इस महत्वपूर्ण लक्ष्य को कुछ दिन में हासिल कर लेगा।

पीएसएलवी रॉकेट की लंबाई 44.5 मीटर है और इसके जरिये दो अंतरिक्ष यान- स्पेसक्राफ्ट ए (एसडीएक्स01) और स्पेसक्राफ्ट बी (एसडीएक्स02) को भेजा गया, जिसमें प्रत्येक का वजन 220 किलोग्राम है। इससे स्पेस डॉकिंग, सैटेलाइट सर्विसिंग और अंतरग्रहीय मिशनों में मदद मिलेगी।

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में महारत हासिल करना बेहद जरूरी : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि तेजी से बदलती परिस्थितियों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में महारत हासिल करना बेहद जरूरी है और सैन्य प्रशिक्षण केन्द्र सैनिकों को इससे लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि सिंह ने मध्य प्रदेश के महू में आर्मी वॉर कॉलेज में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, आज के लगातार विकसित होते समय में प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल करना समय की मांग है, और सैन्य प्रशिक्षण केंद्र हमारे सैनिकों को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सुसज्जित और तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। युद्ध के तरीकों में आ रहे आमूलचूल परिवर्तनों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सूचना युद्ध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित युद्ध, छद्म युद्ध, विद्युत-चुंबकीय युद्ध, अंतरिक्ष युद्ध और साइबर हमले जैसे गैर परंपरागत तरीके आज के समय में बड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए सेना को अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महू प्रशिक्षण केन्द्र इन प्रयासों में बहुमूल्य योगदान दे रहा है। उन्होंने बदलते समय के साथ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में लगातार सुधार करने और कर्मियों को हर तरह की चुनौती के लिए लड़ने के लिए तैयार करने के लिए केंद्रों की सराहना की।

रक्षा मंत्रालय ने 2867 करोड़ का रक्षा अनुबंध किया

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा मंत्रालय ने डीआरडीओ-एआईपी प्रणाली के लिए एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्लग के निर्माण और भारतीय पनडुब्बियों पर इसके एकीकरण तथा कलवरी- श्रेणी पनडुब्बियों पर इलेक्ट्रॉनिक हैवी वेट टॉरपीडो (ईएचडब्ल्यूटी) के एकीकरण के लिए लगभग 2,867 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि दोनों अनुबंधों पर यहां रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

किसानों के नौ घंटे के बंद से पंजाब ने जनजीवन प्रभावित, रेल व बस सेवाओं पर भी असर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में किसानों द्वारा आहूत 'बंद' के कारण सोमवार को प्रदेश भर में जनजीवन प्रभावित हुआ। किसान अपनी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर यहां केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया गया बंद शांतिपूर्ण रहा। बंद के दौरान पंजाब में रेल परिचालन अधिकांशतः स्थगित रहा, बसें और अन्य वाहन सड़कों से नदारद रहे, जिससे यात्री फंस गए। दुकानें और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान बंद रहे।

एक सप्ताह से अधिक समय पहले बंद का आह्वान करने वाले किसान नेताओं ने इसे सफल करार दिया और पूर्ण समर्थन देने के लिए तीन करोड़ पंजाबियों को धन्यवाद दिया।

कड़ाके की सर्दी और कुछ स्थानों पर घने कोहरे के बीच किसानों ने पटियाला, जालंधर, अमृतसर, फिरोजपुर, बठिंडा और पठानकोट सहित कई सड़कों और राजमार्गों पर धरना दिया, जिससे यातायात बाधित हुआ।

धारेरी जट्टन टोल प्लाजा पर किसानों के धरने से पटियाला-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। अमृतसर के 'गोल्डन गेट' पर किसानों ने धरना दिया। पुलिस ने वहां फंसे कुछ विदेशी पर्यटकों की मदद के लिए 'ऑटो रिक्शा' की व्यवस्था की और उन्हें स्वर्ण मंदिर तक पहुंचाया

कुछ स्थानों पर यात्रियों को सड़क जाम कर रहे प्रदर्शनकारी किसानों से बहस करते देखा गया।

भाजपा का 'डबल इंजन' युवाओं पर 'डबल अत्याचार' का प्रतीक बन गया है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकाारियों पर बल प्रयोग की सोमवार को निंदा की और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का ''डबल इंजन'' युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक बन गया है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने यह ''अत्याचार'' पेपर लीक और धांधली को छिपाने के लिए किया है।

बीपीएससी की 13 दिसंबर को हुई परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना में विरोध कर रहे प्रदर्शनकाारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने रविवार को पानी की बौछार की और हल्का बल भी प्रयोग किया।

इसके साथ ही जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी के अध्यक्ष समेत 600-700 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, बीपीएससी अभ्यर्थियों पर बिहार की राजग सरकार द्वारा बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज व अमानवीय अत्याचार पेपर लीक और धांधली को छिपाने के लिए किया गया है। युवाओं पर तानाशाही का डंडा चलाकर उनके मनोबल को तोड़ने का प्रयास बेहद शर्मनाक व निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वालों ने पूरे देश में पेपर लीक माफिया का जाल बिछा रखा है, जिससे युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है।

खरगे ने दावा किया, पिछले सात वर्षों में 70 से अधिक पेपर लीक हुए हैं।

ऑनलाइन पैसा भेजने में अब नहीं होगी गड़बड़ी

ऑनलाइन पैसा अंतरण से पहले मिलेगी लाभार्थी के बैंक खाते के सत्यापन की सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **रिजर्व बैंक ने सोमवार को एक परिपत्र में कहा कि आरटीजीएस और एनईएफटी से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े सभी बैंकों को सलाह दी जाती है कि वे एक अप्रैल, 2025 से पहले यह सुविधा प्रदान करें।**

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऑनलाइन पैसा अंतरित करने में होने वाली गड़बड़ी को रोकने के लिए कदम उठाया है। इसके तहत केंद्रीय बैंक ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम से एक ऐसी सुविधा विकसित करने को कहा है जिससे आरटीजीएस और एनईएफटी का उपयोग करने वाले ग्राहकों को उस बैंक खाते के नाम को सत्यापित करने की अनुमति मिल सके जिसमें पैसा भेजा जा रहा है।

यह व्यवस्था एक अप्रैल, 2025 से प्रभाव में आएगी।

रिजर्व बैंक ने सोमवार को एक परिपत्र में कहा कि 'रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट' (आरटीजीएस) यानी वास्तविक समय पर भुगतान से जुड़ी प्रणाली और 'राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक कोष अंतरण' (एनईएफटी) प्रणाली से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े सभी बैंकों को सलाह दी जाती है कि वे एक अप्रैल, 2025 से पहले यह सुविधा प्रदान करें।

वर्तमान में, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) व्यवस्था के तहत पैसा भेजने वालों को प्रक्रिया शुरू करने से पहले लाभार्थी के नाम को सत्यापित करने की सुविधा है।

आरबीआई ने एक ऐसी ही सुविधा स्थापित करने का निर्णय लिया है। इससे आरटीजीएस या एनईएफटी प्रणाली का उपयोग करके लेनदेन शुरू करने से पहले पैसा भेजने वाले को लाभार्थी के बैंक खाते के नाम को सत्यापित करने की सुविधा मिलेगी।

थियेटर भगदड़ मामला

अल्लू अर्जुन की जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की एक अदालत ने 'पुष्पा-2' के प्रदर्शन के दौरान हैदराबाद के एक थिएटर में मची भगदड़ में एक महिला की मौत के मामले में तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन की जमानत अर्जी पर फैसला सोमवार को सुरक्षित रख लिया। हैदराबाद के द्वितीय अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश ने अल्लू अर्जुन के वकील और जवाबी याचिका दायर करने वाली पुलिस की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला तीन जनवरी 2025 तक के लिए सुरक्षित रख लिया। मामले में आरोपी नंबर 11 के रूप में नामजद अल्लू अर्जुन ने पहले अदालत में नियमित जमानत याचिका दायर की थी और 27 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश हुए थे।

सोमवती अमावस्या पर लाखों ने किया गंगा स्नान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार/एजेन्सी। वर्ष का अंतिम सोमवती अमावस्या के स्नान के मौके पर सोमवार को देश भर से आए श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई तथा अपने पितरों के प्रति स्नान, दान, तर्पण, पिंडदान आदि किया। साथ ही श्रद्धालुओं ने अपने परिवार एवं देश की शांति एवं कल्याण की कामना की। पंजाब से आई श्रद्धालु अंकिता ठाकुर का कहना है कि साल का अंतिम स्नान होने के कारण वह परिवार के साथ यहां स्नान करने आई है जिससे उन्हें काफी आनंद की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि सोमवती अमावस्या में स्नान करने से जहां पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है वही मनवांछित फल मिलता है।

राजस्थान से आए श्रद्धालु अशोक कुमार का कहना है कि मां गंगा ने उन्हें यहां बुलाया है और मां गंगा की कृपा से ही वह यहां स्नान करने आए हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्म की अवधारणा

नहीं धर्म वह श्रेष्ठ कभी भी,
जो भय से स्वीकारा जाता।
होता नहीं धर्म का कोई,
नारों हथियारों से नाता।
राष्ट्र मनुजता के विरुद्ध मत,
धर्म नहीं कोई सिखलाता।
स्वार्थ सिद्धि हित कृत्य सदा ही,
धर्म नहीं व्यापार कहाता।।

कल के अंक से साथ पाइए कैलेन्डर

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
के पाठकों को नव वर्ष की अनूठी सौगात
हर वर्ष की तरह इस बार भी
आर्ट पेपर वाला बहुरंगी कैलेन्डर

वर्ष 2025 कैलेंडर

वर्ष-2025 का बहु प्रतीक्षित कैलेंडर

अपनी प्रति आज ही सुरक्षित करा लें।

कैलेन्डर के साथ अंक की कीमत ₹. 10/-

कल 1.1.2025 के अंक के साथ

इस आकर्षक कैलेण्डर में हिन्दी व अंग्रेजी दोनों ही तिथियों का संदर्भ दिया गया है, साथ ही संबंधित तिथि को पड़ने वाले विशेष अवसर को चित्रित भी किया गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

सोमवती अमावस्या के उपलक्ष्य में जैन सेवा मंडल बेंगलूरु कैंट के सदस्यों ने तिम्मैया रोड स्थित किशनलाल फूलचंद लुनिया मेटरनिटी होम का पास अन्नदान किया। इस अवसर पर ताराचंद लुणावत, उत्तमचंद लुणावत, इंदरचंद भीलवाड़िया, अशोक खिवंसरा, आनंद चुतर, मांगीलाल, विजयराज सुराणा सहित अनेक सदस्यों ने अन्नदान सेवा में सहयोग किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानवसेवा

सोमवती अमावस्या मे अवसर पर सोमवार को जैन युवक संघ हलसूर ने गुरु प्रसाद के रूप में अन्नदान का आयोजन किया। अलसूर मेट्रो स्टेशन के पास आयोजित कार्यक्रम में युवक संघ एवं श्रावक संघ के पदाधिकारी ने सेवा प्रदान की। इस मौके पर अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु दर्शन

मैसूरु के जीतो चैप्टर द्वारा श्रमण आरोग्य के संयोजक राजन बागमार के नेतृत्व में शहर में विराजित विभिन्न साधु साध्वियों के दर्शन किए तथा जीतो मैसूर द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं की जानकारी दी। जैन स्थानक भवन में विराजित संतश्री राजेश मुनिजी ने जीतो द्वारा की जा सेवाओं की अनुमोदना की। साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी ने कहा कि जीतो की सराहना करते हुए आशीर्वाद दिया। इस मौक़े पर जीतो मैसूर के उपचैयरमैन भेरूलाल पितलिया, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, सचिव रमेश नौलखा आदि भी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमावस्या अन्नदान

शहर के मैसूर बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के समीप में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा अमावस्या महाप्रसादी का 83वां आयोजन सोमवार को संपन्न हुआ, जिसमें करीब पांच हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों ने प्रसाद पाया। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने बताया कि इस बार का महाप्रसाद वितरण स्वर्गीय रणजीतमल कानूंगा की स्मृति में किया गया। इस अन्नदान सेवा में अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोकचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, महामंत्री उगमराज चौपड़ा, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, प्रकाशचंद बाफना, अनिल पोकरणा सहित अनेक सदस्यों ने सेवा दी।

कश्मीर के गुलमर्ग, पहलगाम में शीतलहर से कड़ाके की ठंड

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर के गुलमर्ग और पहलगाम में शीतलहर से कड़ाके की ठंड जारी है और तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे चला गया है। हालांकि घाटी के अन्य हिस्सों में सर्दी से कुछ राहत मिली है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मौसम विभाग ने बताया कि उत्तरी कश्मीर में 'स्कीइंग' गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात की तुलना में दो डिग्री कम है।

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 9.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि पिछली रात यह शून्य से 8.5 डिग्री सेल्सियस नीचे था।

श्रीनगर में रात के समय तापमान शून्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है।

मौसम विभाग ने बताया कि कश्मीर के प्रवेशद्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि कोनीबल में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

विभाग ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दक्षिणी कश्मीर के कोकेरनाग में न्यूनतम तापमान शून्य से एक डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। घाटी में कुपवाड़ा एकमात्र ऐसा स्थान रहा जहां न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से ऊपर रहा।

वर्तमान में कश्मीर घाटी 'चिल्ला-ए-कलां' (सर्वाधिक ठंड की अवधि) की चपेट में है। इसे सर्दियों का सबसे कठिन समय माना जाता है, जो 21 दिसंबर से शुरू हुआ था।

'चिल्ला-ए-कलां' की 40 दिनों की अवधि के दौरान सबसे अधिक बर्फबारी होती है।

'चिल्ला-ए-कलां' अगले साल 30 जनवरी को खत्म हो जाएगा, लेकिन शीतलहर जारी रहेगी। 40 दिनों के बाद 20 दिवसीय 'चिल्ला-ए-खुर्द' और 10 दिन का 'चिल्ला-ए-बच्चा' भी होगा जब घाटी में ठंड में धीरे-धीरे कमी आएगी।

बीकानेर जैन परिषद का स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बीकानेर जैन परिषद का दूसरे स्नेह मिलन सम्पन्न हुआ जिसमें क्षेत्र के 850 से अधिक सदस्यो की उपस्थिति रही। स्नेह मिलन में होस्ट बिंदु मेहता द्वारा सदस्य परिवारजनों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों व गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्नेह मिलन में शामिल सभी परिवारों को उपहार भेंट किए गए तथा लक्की ड्रा कूपन द्वारा अन्य कई उपहार दिए गए। स्नेह मिलन में परिषद् के प्रथम नवमनोनीत अध्यक्ष विनोद पारख ने अपनी टीम की घोषणा की। उपाध्यक्ष के रूप मे जसकरण सुराणा, कन्हैयालाल छाजेड, मनोज भंडावत, मंत्री संजय सिपानी, सहमंत्री कमलेश चोपडा एवं श्रेयांस गोलछा, कोषाध्यक्ष बजरंग सिपानी, संगठन मंत्री आलोक गंग, प्रचार प्रसार मंत्री विकास बाँठिया को शपथ दिलवाई गई। संरक्षक के रूप में शांतिलाल सांड, कमल सिपानी, जयचंदलाल डागा, इंदरचंद सांड एवं कार्यकारिणी सदस्यों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का संचालन विकास बाँठिया ने किया। स्नेह मिलन के संयोजक श्रेयांस गोलछा सहित अन्य सदस्यों ने विशेष सहयोग दिया। श्रेयांस गोलछा ने सभी को धन्यवाद दिया।

'सभा आपके द्वार' पहल के तहत तेरापंथ परिवारों से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथी महासभा के तत्वावधान में तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा सभा आपके द्वार उपक्रम का आयोजन सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली के नेतृत्व में श्रीरामपुरम क्षेत्र में किया गया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के सभी तेरापंथी परिवारों के घरों में जाकर उनकी सार सँभाल करना,पारिवारिक सौहार्द को प्रोत्साहन देना, सभा, महासभा, ज्ञानशाला तथा अन्य संघीय गतिविधियों की जानकारी देते हुए परिवारजनों को संघीय संस्थाओं से जुड़ने हेतु प्रेरित करना और साधार्मिक बंधुओं से संपर्क स्थापित करना।

यात्रा के दौरान तेरापंथ कार्ड, माइनॉरिटी सर्टिफिकेट और तेरापंथ नेटवर्क की जानकारी भी प्रदान की जा रही हैं। यात्रा के तहत सभी परिवारो का सकारात्मक सहयोग प्राप्त हो रहा है।

सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभा की गतिविधियों एवं महासभा के आयामों की जानकारी प्रदान की।

इस यात्रा में संगठन मंत्री राजेंद्र बाफना, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, एरिया प्रतिनिधि अशोक श्रीश्रीमाल,राजेश सिसोदिया, महेंद्र सकलेचा का सहयोग रहा।

हनुमंतनगर तेरापंथ भवन में भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर तेरापंथ भवन में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। श्रावक-निष्ठा पत्र का वाचन महावीर बोल्या द्वारा किया गया।

उन्होंने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला यह एक विशिष्ट कार्यशाला है। आजकल की नवपीढ़ी को तेरापंथ व तेरापंथ के मौलिक सिद्धांत एवं मर्यादाओं की जानकारी दी जाती है । सभा अध्यक्ष गौतम दक एवं भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला राष्ट्रीय सह प्रभारी राकेश पोखरना ने कार्यशाला के बारे में भूमिका प्रस्तुत की।

साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने भिक्षु विचार दर्शन को बड़ी सरलता से समझाया। दान, दया, अनुकंपा सहित अभिनिष्क्रमण के मूलभूत कारणों को स्पष्ट किया तथा सभी को सिद्धान्तों को समझने और दृढ़ता से जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

इस कार्यशाला में सभा मंत्री हेमराज मांडोत, सभा कोषाध्यक्ष नाथुलाल बोल्या, महिला मण्डल अध्यक्ष सरोज जी दुगड़, अणुव्रत समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी, तेयुप परामर्शक प्रकाश बोल्या, बालचंद चावत, तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चौपड़ा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मंत्री संदीप चौधरी ने किया।

मनमोहन सिंह की मौत पर राजनीति कर रही है कांग्रेस: किशन रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दल पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन को लेकर राजनीति कर रहा है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह सच है कि एआईसीसी नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कई मौकों पर सिंह का अपमान किया है।

रेड्डी तेलंगाना भाजपा प्रमुख भी हैं।

भाजपा नेता ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस पार्टी ने सिंह की मौत का राजनीति के लिए इस्तेमाल किया है। यह कांग्रेस पार्टी की संस्कृति विहीनता को दर्शाता है। रेड्डी ने कहा कि जैसे ही सिंह की मृत्यु की खबर सामने आई, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वोच्च सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि यह भी घोषणा की गई कि केंद्र सरकार सिंह के नाम पर एक स्मारक बनाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि हर कोई जानता है कि कांग्रेस पार्टी ने पी वी नरसिंह राव और प्रणब मुखर्जी जैसे अपने नेताओं के प्रति कैसा व्यवहार किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी मगरमच्छ के आंसू बहा रही है। सोनिया गांधी और उनके परिवार के सदस्यों ने सिंह का अपमान किया है। हम सभी यह जानते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश को मीडिया की मौजूदगी में सार्वजनिक रूप से फाड़ दिया और इसे बकवास करार दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां विभिन्न राज्य सरकारों ने मनमोहन सिंह के निधन पर सात दिन का शोक घोषित किया है वहीं राहुल गांधी नए साल के जश्न में भाग लेने के लिए वियतनाम चले गए।

'जीतो' जेबीएन वी प्रेन्यूर्स की बैठक में हुई व्यवसायिक चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो पगारिया जेबीएन वी-प्रेन्यूर्स ने चामराजपेट स्थित जीतो ऑफिस में बैठक का आयोजन किया। सदस्याओं ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए 30-सेकंड की व्यावसायिक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में एक दूसरे के साथ संपर्क सत्र भी शामिल था, जिसमें सदस्याओं ने एक-दूसरे के व्यवसायों को 30 सेकंड में प्रस्तुत करते हुए सहयोग किया।

बैठक में रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी, रेफरल सचिव ज्योति कोचेटा आदि उपस्थित थीं। इस बैठक में सर्वश्रेष्ठ 30-सेकंड व्यावसायिक प्रस्तुति के लिए रचिता सुराणा, सर्वश्रेष्ठ व्यवसाय प्रस्तोता के रूप में मीनल गुलेच्छा, शीर्ष व्यवसाय योगदानकर्ता के लिए चेतना लुंकड़, सर्वश्रेष्ठ अवसर लाभान्वित के लिए मेहक जैन का सम्मान किया गया।

जोधपुर एसोसिएशन का नववर्ष स्नेह मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर के माहेश्वरी भवन में जोधपुर एसोसिएशन का नववर्ष स्नेह मिलन सम्पन्न हुआ। संचालन करते हुए उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता ने बताया कि इस स्नेह मिलन में अध्यक्ष कैलाश भन्साली ने सभी का स्वागत करते हुए नूतन वर्ष की शुभकामनाएं दी। मंत्री राजेश भण्डारी ने कार्यकारिणी सभा के प्रस्तावों से अवगत कराया और बताया कि 23 मार्च को होली स्नेह मिलन होगा। जोधपुर में स्मार्ट क्लासेज के लिए किए सामाजिक योगदान की अनुमोदना की गई। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु में शीघ्र ही मेडिकल शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर संरक्षक धीरेन्द्रकुमार सिंघी, पदमराज मेहता, लक्ष्मीचन्द भण्डारी(टाइसा), राजेन्द्र लोढा, अध्यक्ष ,मंत्री ,उपाध्यक्ष, सहमंत्री कमलराज भण्डारी, नरेंद्र भण्डारी, कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा ने स्नेह मिलन के प्रायोजक निर्मला मिलापचंद भंडारी परिवार का सम्मान किया।

ज्ञानचंद -प्रकाश भण्डारी ने अगले वर्षों में नूतन वर्ष स्नेह मिलन प्रायोजक के रूप में अपने नाम की घोषणा की। आयोजन की व्यवस्था में संरक्षक राजेन्द्र लोढा, पूर्व अध्यक्ष अशोक व्यास, मंत्री राजेश भण्डारी, महेन्द्रराज भण्डारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

उत्तरप्रदेश अग्रवाल सेवा समाज का दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर केउत्तरप्रदेश अग्रवाल सेवा समाज के सदस्यपरिवारों ने शहर के एक रिसोर्ट पर दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन किया जिसमें बड़ी संक्या में समाज के सदस्य परिवार सहित उपस्थित हुए। इस आयोजन में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई तथा समाजहित में अनेक निर्णय लिए गए। समाज के बच्चों व महिलाओं के लिए अनेक मनोरंजक खेलों व गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसका सभी ने खूब आनंद उठाया। स्नेह मिलन में समाज के अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार जिन्दल, उपाध्यक्ष सूरज अग्रवाल,हिृदेश गुप्ता, मंत्री धमेन्द्र गुप्ता,सहमंत्री संदीपकुमार, कोषाध्यक्ष दिनेश मित्तल, सहकोषाध्यक्ष विनय गोयल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

कई विकासशील, गरीब देशों में अवैध धन प्रवाह के लिए कमजोर संस्थान जिम्मेदार : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। कई विकासशील और गरीब देशों में अवैध धन प्रवाह के लिए कमजोर संस्थान जिम्मेदार हैं। विदेश मंत्रालय में सचिव दम्मू रवि ने यह बात कही है। उन्होंने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि अवैध वित्तीय प्रवाह को कम करने के लिए छपी हुई मुद्रा पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, कर संरचना में कमियों को दूर करने की जरूरत है... कई देशों में कमजोर संस्थान अवैध धन प्रवाह के लिए जिम्मेदार हैं।

रवि ने कहा कि 'वैश्विक दक्षिण' देशों को अवैध वित्तीय प्रवाह को कम करने के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा विकसित करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड महामारी के चलते कई देशों पर कर्ज बढ़ गया है।

बातचीत

बीजद अध्यक्ष और विपक्ष के नेता नवीन पटनायक सोमवार को गंजम जिले में कटाई के दौरान फसल नुकसान से प्रभावित किसानों से बातचीत करते हुए।

ठेकेदार आत्महत्या मामला

भाजपा ने सीबीआई जांच और प्रियांक खरगे के इस्तीफे की मांग दोहराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को ठेकेदार द्वारा आत्महत्या करने के मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने और मंत्री प्रियांक खरगे के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे जनवरी में कलबुर्गी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास का घेराव करेंगे।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने संवाददाताओं से कहा, खरगे परिवार बहुत शक्तिशाली है तथा राज्य पुलिस उनकी जांच नहीं कर सकती और निष्पक्ष जांच की कोई संभावना नहीं है। इसलिए मामला सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। सिविल ठेकेदार सचिन पांचाल ने 26 दिसंबर को बीदर जिले में कथित तौर पर चलती ट्रेन के आगे लेटकर आत्महत्या कर ली थी। अपने सुसाइड नोट में पांचाल ने प्रियांक खरगे के करीबी राजू कपनूर पर आरोप लगाया कि उसे यह कठोर कदम उठाने के लिए कपनूर ने मजबूर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें कपनूर को एक करोड़ रुपए देने के लिए जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। कपनूर ने आरोपों को खारिज कर दिया।

प्रियांक खरगे ने कहा कि इस मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है क्योंकि सुसाइड नोट में उनका नाम नहीं है। उन्होंने सच सामने लाने के लिए मामले की जांच की भी मांग की। विजयेंद्र ने कहा कि कलबुर्गी जिले और उसके आसपास का पूरा पुलिस विभाग खरगे परिवार के नियंत्रण में है। उन्होंने कहा, बिना किसी देरी के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को प्रियांक खरगे का इस्तीफा लेना चाहिए और हमारा दूसरा अनुरोध है कि मामले को सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। विजयेंद्र ने यह भी मांग की कि पांचाल परिवार को सुरक्षा और एक करोड़ रुपये का मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी तीन जनवरी तक इंतजार करेगी कि मुख्यमंत्री सीबीआई जांच का आदेश देते हैं या नहीं। उन्होंने कहा, अन्यथा भाजपा चार जनवरी को कलबुर्गी में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेगी और हम खरगे के घर का घेराव भी करेंगे।

विजयेंद्र ने कहा कि सचिन पांचाल के सुसाइड नोट में एक और महत्वपूर्ण पहलू का उल्लेख किया गया था कि विधायक बसवराज मत्तीमुद, भाजपा नेता चंदू पाटिल, मणिकांत राठौड़ और एक संत सिद्धलिंग स्वामी की हत्या करने की साजिश थी। उन्होंने कहा, सुपारी लेने वाले महाराष्ट्र से थे, जो बहुत गंभीर विषय है।

ठेकेदार की आत्महत्या मामले में सीआईडी जांच करेगी : परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने ठेकेदार की आत्महत्या मामले में जांच का जिम्मा अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) को सौंप दिया है। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को यह जानकारी दी। परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से कहा, ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस मामले में ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियंक खरगे के खिलाफ आरोप लगाया है। हमने मामला सीआईडी को सौंप दिया है।'' ठेकेदार सचिन पांचाल ने 26 दिसंबर को बिदर जिले में एक ट्रेन के आगे लेट कर कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। अपने सुसाइड नोट में उसने प्रियंक खरगे के करीबी सहयोगी राजू कपनूर पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। उसने आरोप लगाया था कि कपनूर ने उसे एक करोड़ रुपये नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। हालांकि कपनूर ने इन आरोपों से इनकार किया है। प्रियंक खरगे ने भी कहा है कि इस मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है क्योंकि सुसाइड नोट में उनका नाम नहीं है।

डी के सुरेश ने ऐश्वर्या गौड़ा के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में शिकायत दर्ज कराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व सांसद डी के सुरेश ने ऐश्वर्या गौड़ा के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए बेंगलूरु सिटी पुलिस कमिश्नर के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। ऐश्वर्या गौड़ा अपना नाम छिपाकर लोगों को ठग रहे हैं।

डी के सुरेश ने लिखित शिकायत में कहा, मीडिया में यह खबर आई है कि ऐश्वर्या गौड़ा उर्फ नव्याश्री ने उनके नाम का दुरुपयोग करके कई लोगों से सोना और नकदी ठगी है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि मेरे नाम का दुरुपयोग करने के लिए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मैं आपसे यह भी आग्रह करता हूं कि भविष्य में इस तरह का दुरुपयोग और धोखाधड़ी न हो।

प्रदेश में स्वच्छ शासन की सरकार है, प्रियांक खरगे का ठेकेदार की मौत से कोई लेना-देना नहीं : डी.के. शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, हमारी प्रदेश में स्वच्छ प्रशासन की सरकार है। ठेकेदार की मौत का मंत्री प्रियांक खरगे से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने सोमवार को अपने सदाशिवनगर स्थित आवास के पास मीडिया के सवालों का जवाब दिया। इस मामले में प्रियांक खरगे की कोई भूमिका नहीं है। सुसाइड नोट में उन पर कोई सीधा आरोप नहीं है। किसी और पर आरोप लगाते ही वह इस्तीफा नहीं दे सकते। हम प्रियांक खरगे की ईमानदारी के बारे में जानते हैं। ठेकेदार की मौत की जांच कानून के नियमानुसार की जाएगी।

जब पूछा गया कि क्या मौत के आरोपी राजू ने आपकी और मुख्यमंत्री, प्रियंका खरगे की तस्वीरें जारी की हैं, तो डीके शिवकुमार ने कहा, 'मेरे पास विजयेंद्र और येडीयुरप्पा की तस्वीरें हैं। कई लोग हमारे घर आते हैं और हमारे साथ तस्वीरें खिंचवाते है।' जब उनसे बीजेपी नेता के उस बयान के बारे में पूछा गया कि वे मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंपने की मांग को लेकर घेराबंदी करेंगे, तो उन्होंने कहा, घेराबंदी करने दीजिए, मेरे भाई सुरेश ने राजराजेश्वरी नगर के कुछ मामलों का जिक्र किया है, चलिए उन्हें जोड़ते हैं। जब बीजेपी की सरकार थी तो सिर्फ मेरा केस ही सीबीआई को दिया गया था। उन्होंने कहा कि डीके रवि, मौत, सौजन्य मृत्यु, परेश मेस्टा केस समेत करीब 12 केस हमने सीबीआई को दिए। मेरे मामले के साथ मंत्री के मामले सीबीआई को दिए जाने चाहिए थे, क्यों नहीं दिए गए?

जब उनसे पूछा गया कि बीजेपी ने प्रियांक खरगे से इस्तीफा मांगा है तो उन्होंने कहा, ''प्रियांक खरगे के इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने क्या गलत किया है? प्रियांक खरगे हमारी पार्टी की आवाज हैं। विपक्षी पार्टियां ईर्ष्या के कारण इस तरह का काम कर रही हैं।'' वे यह बर्दाश्त नहीं कर सकते कि दलित समुदाय का एक नेता इतना आगे बढ़ जाए।'' कृष्णा की सरकार बनने के बाद प्रियांक आईटी-बीटी विभाग का सफलतापूर्वक नेतृत्व कर रहे हैं। इसलिए वे उन्हें नीचे लाने की साजिश रच रहे हैं। केपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे पर ध्यान देंगे, जिनके साथ अन्याय हुआ है उन्हें न्याय मिलेगा।

बेंगलूरु में सोमवार को राजभवन में राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात करते हुए एमएलसी सीटी रवि एवं अन्य नेतागण।

संशोधित ट्रेन समय 1 जनवरी से प्रभावी होगा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने विभिन्न ट्रेनों के समय में संशोधन किया है, जो 1 जनवरी 2025 से प्रभावी होगा। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले अद्यतन समय सारिणी की जाँच करें।

संशोधित समय सारिणी तक पहुँचने के लिए, यात्री दक्षिण पश्चिम रेलवे की वेबसाइट: https://swr.indianrailways.gov.in पर जा सकते हैं।यात्री

संशोधित समय की जानकारी प्राप्त करने के लिए रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर भी डायल कर सकते हैं। 1 जनवरी 2025 से, अद्यतन समय सारिणी राष्ट्रीय ट्रेन पूछताछ प्रणाली (एनटीईएस) पर भी उपलब्ध होगी।

एक व्यक्ति ने 'जिलेटिन' की छड़ों से विस्फोट कर खुद को उड़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। कर्नाटक में प्रेमिका के घर के सामने एक व्यक्ति ने 'जिलेटिन' की छड़ से विस्फोट कर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। युवक उस लड़की से प्रेम करता था लेकिन लड़की के परिवार ने उसे अस्वीकार कर दिया था। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार सुबह मांड्या जिले के कलेनहल्ली गांव की है।

पुलिस के अनुसार, रामचंद्र (21) का एक नाबालिग लड़की के साथ प्रेम संबंध था और पिछले साल उस नाबालिग को लेकर भागने पर उसके खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में गिरफ्तारी के बाद रामचंद्र तीन माह जेल में रहा। पुलिस ने बताया कि जेल से छूटने के बाद उसने लड़की के परिवार से समझौता कर लिया और अदालत में केस खारिज हो गया। लेकिन बाद में उसने लड़की को फोन करना शुरू कर दिया और उसके साथ अपने रिश्ते को बरकरार रखा।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि लड़की की कानूनी तौर पर शादी की उम्र हो जाने पर उसका परिवार उसकी शादी किसी और से करने की योजना बना रहा था। अधिकारी ने बताया कि नागमंगला तालुक से कुछ दूरी पर स्थित एक गांव का निवासी रामचंद्र कथित तौर पर लड़की के परिवार द्वारा उसे अस्वीकार किए जाने से नाराज था। रविवार को वह अचानक नाबालिग लड़की के घर के सामने पहुंचा और अपने साथ लाए 'जिलेटिन' छड़ से विस्फोट कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक के परिजन की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मृतक के परिवार का खदान व्यवसाय था और इसी से उसे 'जिलेटिन' की छड़ें मिलीं।

भाजपा नेता रवि ने 'उनसे दुर्व्यवहार' करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए राज्यपाल से अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने सोमवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत से आग्रह किया कि मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करने के लिए उनके खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न मामले के संबंध में उनकी कथित ''अवैध गिरफ्तारी'' और पुलिस हिरासत में उनके साथ दुर्व्यवहार करने में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने राज्यपाल से तत्काल अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराने का भी अनुरोध किया। यहां रवि ने संवाददाताओं से कहा कि घटना परिषद के अंदर हुई और परिषद के अध्यक्ष बसवराज होरट्टी की सहमति ली जानी चाहिए थी, क्योंकि परिषद के अंदर सभी शक्तियां उनके पास हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की गलती यह थी कि अध्यक्ष की सहमति के बिना मामला दर्ज किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें बिना किसी सबूत के गिरफ्तार किया गया।

भाजपा नेता ने कहा, ''अब वे (पुलिस) कह रहे हैं कि वे इसे (वीडियो साक्ष्य) फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला को भेजेंगे और इसके लिए उन्हें अध्यक्ष की अनुमति की आवश्यकता होगी, लेकिन मेरा सवाल यह है कि मुझे गिरफ्तार करने से पहले किसकी अनुमति ली गई। उन्होंने (पुलिस ने) मंत्रियों के दबाव में आकर दुर्भावनापूर्ण इरादे से मुझे गिरफ्तार किया।'' राज्यपाल को लिखे अपने पत्र में 19 दिसंबर की घटना को याद करते हुए, भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि बेलगावी के शीर्ष पुलिस अधिकारियों और उनके अधीनस्थों ने मंत्रियों के दबाव में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

रवि ने पुलिस अधिकारियों पर यह भी आरोप लगाया कि 19 दिसंबर को रातभर उन्हें 400 किलोमीटर तक घुमाया गया और हिरासत के दौरान चोट पहुंचाई गई। उन्होंने पत्र में लिखा, मेरे सिर से खून बह रहा था, पुलिस जीप में उल्टियां हो रही थीं, इसके बावजूद लंबे समय तक चिकित्सकीय सहायता मुहैया कराने की जहमत तक नहीं उठाई गई।

उन्होंने मुझे लंबे समय तक भूखा-प्यासा रखा, मेरे साथ जानवरों की तरह दुर्व्यवहार किया, मुझे बेहद प्रताड़ित किया, मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। यह आरोप लगाते हुए कि पुलिस ने उनका 'खात्मा' करने के लिए हर संभव प्रयास किए, रवि ने राज्यपाल से पूरे प्रकरण पर पुलिस महानिदेशक से स्पष्टीकरण मांगने का अनुरोध किया।

राज्यपाल से मुलाकात के समय उनके साथ एमएलसी एन रविकुमार, विपक्ष नेता चालवादी नारायण स्वामी और अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे।

कर्नाटक सरकार रेणुकास्वामी हत्या मामले में अभिनेता दर्शन की जमानत को चुनौती देगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीप और अन्य आरोपियों को जमानत देने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने का फैसला किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करने की मंजूरी दे दी है। याचिका का उद्देश्य आरोपियों को जमानत देने के उच्च न्यायालय के दिसंबर के फैसले को चुनौती देना है।

इस मामले में राज्य सरकार की ओर से प्रतिनिधित्व करने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा को विशेष वकील नियुक्त किया गया है। आदेश में राज्य के सरकारी लोक अभियोजक को एसएलपी के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार करने का भी निर्देश दिया गया है। दर्शन को 30 अक्टूबर को चिकित्सा कारणों का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था। तब तक वह 131 दिन हिरासत में रह चुके थे। बाद में उच्च न्यायालय ने दर्शन और मुख्य आरोपी पवित्रा गौड़ा को 13 दिसंबर को नियमित जमानत दे दी। मामले में नामजद अन्य सभी व्यक्तियों को भी जमानत पर रिहा कर दिया गया है। सितंबर में, बेंगलुरु पुलिस ने इस मामले के संबंध में 3,991 पृष्ठों का विस्तृत आरोपपत्र दाखिल किया। मामला दर्शन के प्रशंसक रेणुकास्वामी की हत्या से संबिधत है। नौ जून को गौड़ा को कथित तौर पर अश्लील संदेश भेजने के आरोप में रेणुकास्वामी की हत्या कर दी गई थी।

न्यायाधीशों को केवल आईओ के एकत्र किए गए साक्ष्यों का मूल्यांकन करना चाहिए : उच्च न्यायालय

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा है कि न्यायाधीशों को केवल जांच अधिकारी (आईओ) द्वारा एकत्र साक्ष्य का मूल्यांकन करके ही उसकी पर्याप्तता का आकलन करना चाहिए। हाल ही में न्यायमूर्ति एच पी संदेश द्वारा दिए गए फैसले में न्यायालय ने आरोपमुक्त करने के आवेदनों को संशोधित करने की सीमित गुंजाइश पर जोर दिया। अदालत ने कहा कि ऐसी कार्यवाही के दौरान ''संक्षिप्त सुनवाई'' करना स्वीकार्य नहीं है, और केवल बचाव पक्ष की दलीलों को ध्यान में नहीं रखा जा सकता।

अदालत का यह फैसला डॉ. मोहनकुमार एम. द्वारा दायर समीक्षा याचिका को खारिज करते हुए आया, जिन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 109 के तहत अपराध को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोप थे। डॉ. मोहनकुमार पर अन्य आरोपी डॉ. सी. अनीशा रॉय की बेटी को एम.एस. रमैया मेडिकल कॉलेज में एमडी (पीडियाट्रिक्स) में दाखिला दिलाने के लिए 25 लाख रुपये की राशि के भुगतान का आरोप लगाया गया था। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि यह भुगतान रॉय के लिए वित्तीय मदद थी, जिसने अपनी बेटी की शिक्षा के लिए सहायता मांगी थी।

याचिकाकर्ता ने दावा किया कि यह धनराशि उनकी खुद की कमाई थी, जैसा कि उनके बैंक खाते और आयकर रिटर्न से पता चलता है। अदालत को बताया गया कि भुगतान सीधे संस्थान के खाते में किया गया था, और उन्होंने आरोपी रॉय से कोई भी पैसा वापस पाने से इनकार किया। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि वित्तीय मदद प्रदान करने को उकसावे के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि निचली अदालतों ने अन्य आरोपियों को इसी आधार पर बरी कर दिया था और उन्होंने खुद को भी आरोपमुक्त करने का अनुरोध किया। अभियोजन पक्ष ने याचिका का विरोध किया, जिसमें याचिकाकर्ता के बैंक स्टेटमेंट और आयकर दस्तावेजों सहित साक्ष्य में विसंगतियों को उजागर किया गया। अदालत को बताया गया कि 25 लाख रुपये के भुगतान से पहले डॉ. मोहनकुमार के खाते में 17.5 लाख रुपये नकद जमा किए गए थे, जो उनके आयकर रिटर्न में नहीं दर्शाया गया था। उच्च न्यायालय ने आरोपमुक्त करने के आवेदन को निचली अदालत द्वारा खारिज करने के फैसले को उचित ठहराया। निचली अदालत ने इस बात पर जोर देते हुए आवेदन खारिज किया था कि जांच के दौरान एकत्र की गई सामग्रियों को केवल बचाव पक्ष की दलीलों के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता।

केरल के लिए आपदाओं, घोटालों और राजनीतिक उतार-चढ़ाव से भरा रहा यह साल

तिरुवनंतपुरम/भाषा। वायनाड के तीन गांवों को नष्ट करने वाले विनाशकारी भूस्खलन, लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का शानदार प्रदर्शन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा की पहली चुनावी जीत ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएं हैं जिन्होंने 2024 में केरल के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को आकार दिया। न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट के जरिए मलयालम फिल्म उद्योग में यौन शोषण और उत्पीड़न के खुलासे के साथ ही राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक एवं अभिनेता एम. मुकेश सहित कुछ प्रमुख अभिनेताओं के खिलाफ बलात्कार के आरोप लगे।

मूसलाधार बारिश के कारण वायनाड के चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्रों में 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई, कई लोग घायल हुए और हजारों लोग बेघर हो गए। इसे केरल के इतिहास की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदाओं में से एक माना जाता है। सैकड़ों लोग मलबे में दब गए और कई लोगों को सेना एवं अन्य बचाव एजेंसियों ने बाहर निकाला। इस आपदा ने दक्षिणी राज्य में बेहतर आपदा प्रबंधन और तैयारियों की तत्काल आवश्यकता को फिर से उजागर कर दिया। जलवायु परिवर्तन के कारण राज्य को अक्सर मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। राज्य में पुनर्वास के प्रयास धीमे होने के कारण इस आपदा के पीड़ितों का जीवन पटरी पर नहीं लौट पा रहा। राज्य सरकार ने आरोप लगाया है कि इस धीमी गति का कारण केंद्र सरकार का कथित भेदभावपूर्ण रवैया है जिसके खिलाफ उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

पुनर्वास प्रयासों को लागू करने में एक और बाधा उस समय दूर हो गई जब केरल उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि सरकार भूस्खलन से पीड़ितों के लिए एक 'मॉडल टाउनशिप' बनाने के लिए दो निजी संपदाओं से भूमि का अधिग्रहण कर सकती है और इसी के साथ अदालत ने सरकार के निर्णय को चुनौती देने वाली कंपनियों की याचिकाओं को खारिज कर दिया।

राजनीतिक क्षेत्र में केरल में कुछ आश्चर्यजनक परिणाम देखने को मिले। लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा(एलडीएफ) को हराया।

नए साल के जश्न के मद्देनजर 11,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि नए साल के जश्न के मद्देनजर हजारों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की गई हैं कि बेंगलुरु शहर और पूरे राज्य में कोई अप्रिय घटना न घटे। उन्होंने लोगों से किसी भी अप्रिय घटना में शामिल न होने की अपील भी की।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, बेंगलूरु शहर और पूरे राज्य में कोई अप्रिय घटना न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं। हमने उन लोगों को भी चेतावनी दी है जो गड़बड़ी पैदा करना चाहते हैं और साथ ही हमने व्यापक तैयारियां भी की हैं। हजारों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है और मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे किसी भी अप्रिय घटना में शामिल न हों। नए साल का जश्न खुशी से मनाएं। आपका नया साल बहुत खुशहाल हो।

इस बीच 'पीटीआई वीडियो' से उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि सभी विभागों द्वारा शहर भर में 1000 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी तरह का उपद्रव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, कानून व्यवस्था को बनाए रखा जाएगा। सभी विभागों द्वारा 1000 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं। हमें बहुत सतर्क रहना चाहिए। बेंगलूरु की छवि बहुत महत्वपूर्ण है और यदि कोई उपद्रव किया जाता है तो पुलिस द्वारा आरोपियों को हिरासत में लिया जाएगा।

बेंगलूरु पुलिस ने शहर में आगामी नववर्ष समारोह के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं तथा सार्वजनिक सुरक्षा और यातायात का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए अधिक भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

वरिष्ठ अधिकारियों, नागरिक सुरक्षा कर्मचारियों और अन्य लोगों सहित कुल 11,830 पुलिस कर्मी शहर में कड़ी निगरानी रखेंगे तथा रेव पार्टियों और नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों पर नजर रखेंगे। पुलिस ने कहा कि सरकार ने नए साल का जश्न रात एक बजे तक ही मनाने की अनुमति दी है और जनता को निर्धारित समय सीमा के भीतर ही जश्न मनाने की अनुमति है।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी, अनेक स्थानों पर घने से अति घना कोहरा छाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम तापमान में गिरावट के साथ पूर्वी हिस्सों और पश्चिमी हिस्सों के कुछ स्थानों पर शीत दिन से अति शीत दिन दर्ज किया गया। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, सोमवार की सुबह जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, चूरू, श्रीगंगानगर, बाड़मेर, जयपुर, कोटा, अजमेर, अलवर, भरतपुर, दौसा, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर, सीकर में कोहरा दर्ज किया गया। घने कोहरे के कारण राजमार्गों पर वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कोहरे और शीतलहर के चलते सोमवार की सुबह गलन का एहसास हुआ।

विभाग के अनुसार, राज्य में निम्नतम न्यूनतम तापमान सिरोही में 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चित्तोड़गढ़ में न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री, जोधपुर में 5.5 डिग्री, डबोक (उदयपुर) में 5.6 डिग्री, जयपुर में 7.2 डिग्री सेल्सियस, और अन्य अनेक स्थानों पर 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

विभाग के अनुसार, राज्य के अधिकतर हिस्सों में रविवार को शीत दिन के कारण अधिकतम तापमान में छह डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज कीगई। इस दौरान प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस से लेकर 25.8 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। जयपुर मौसम केन्द्र ने कई स्थानों पर कोहरे और शीतलहर की चेतावनी जारी की है।

रेगिस्तान में धरती फाड़कर निकला पानी, नीचे जहरीली गैस की पाइपलाइन, कभी भी हो सकता है रिसाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। जैसलमेर में मोहनगढ़ नहरी क्षेत्र में शनिवार को ट्यूबवेल खुदाई के दौरान पानी का फव्वारा फूट गया। पानी करीब 50 घंटों तक लगातार उसी रफ्तार से बाहर निकलता रहा। किसी के यह समझ में नहीं आया है कि आखिर ये कैसे हो रहा है? शनिवार को सुबह पांच बजे धरती फाड़कर निकलना शुरू हुआ पानी सोमवार की सुबह सात बजे अपने आप बंद हो गया। इधर, उप तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट ललित चारण ने बताया कि जैसलमेर के मोहनगढ़ उप तहसील के 27 बीडी के जोरा माइनर पर ट्यूबवेल खोदते समय जमीन से पानी निकलने की घटना हुई थी। इसके बाद पानी का रिसाव अपने आप बंद हो गया है।

हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस जगह किसी भी वक्त रिसाव फिर से शुरू हो सकता है। ऐसे में जमीन के नीचे जहरीली गैस का भी रिसाव हो सकता है। उन्होंने कहा कि जमीन धंसने और विस्फोट होने की संभावना बनी हुई है। इसलिए जिला कलेक्टर ने क्षेत्र में धारा 163 लगाई थी, जोकि अभी भी प्रभावी है। बता दें कि एक किसान के खेत में ट्यूबवेल के लिए बोरिंग का काम चल रहा था। इस दौरान अचानक जमीन फट गई और पानी का तेज फव्वारा फूट पड़ा। ऐसे में मशीन और ट्रक जमीन में दफन हो गए। वहीं जमीन से भारी प्रेशर के साथ पानी निकलने लगा। यह मंजर देखकर ग्रामीण भी डर गए।

जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रताप सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी कर मोहनगढ़ की सुथार मंडी के 27 बीड़ी क्षेत्र में पानी की अनियतंत्रित निकासी वाले बोरवेल के 500 मीटर परिधि को निषिद्ध क्षेत्र घोषित कर आम नागरिकों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। अतिरिक्त जिला कलेक्टर पवन कुमार ने बताया कि अनियंत्रित निकासी वाले बोरवेल का रविवार को केयर्न एनर्जी कंपनी के विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बताया कि मोहनगढ़ विकास अधिकारी द्वारा भराव क्षेत्र से पानी निकासी के लिए प्रबंध किए जा रहे हैं। वहीं जोधपुर विद्युत वितरण निगम के द्वारा जलभराव क्षेत्र में आने वाली बिजली लाइनों की वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

बेहतर आंकलन से रोजगार और राजस्व में होगी बढ़ोतरी : रविकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में खनिज खोज कार्य का पांच साल का मास्टर प्लान बनाया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने बताया कि इससे प्रदेश में उपलब्ध खनिज संपदा के एक्सप्लोरेशन कार्य में तेजी आएगी और एक्सप्लोरेशन से खनिजों के डिपोजिट, गुणवत्ता और उपलब्धता का समय पर आंकलन होने से खनिज ब्लॉकों की समय पर और कारगर तरीके से नीलामी हो सकेगी। उन्होंने बताया कि योजनाबद्ध प्रयासों से राजस्थान केवल एक साल में ही मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी से देश में शीर्ष पर आ गया है।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त सोमवार को खनिज भवन में राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट की कार्यकारी समिति की बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि आरएसएमईटी को राज्य के मिनरल एक्सप्लोरेशन के पांच साल का मास्टर प्लान शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान खनिज संपदा संपन्न प्रदेश है और एक्सप्लोरेशन का मास्टर प्लान बनने से योजनाबद्ध तरीके से खनिज ब्लॉकों की नीलामी, खनन और दोहन का कार्य हो सकेगा और इससे प्रदेश में रोजगार और राजस्व के अवसर बढ़ सकेंगे।

रविकान्त ने कहा कि राज्य में मिनरल एक्सप्लोरेशन के क्षेत्र में कार्य कर रही केन्द्र व राज्य सरकार की संस्थाएं परस्पर सहयोग व समन्वय से एक्सप्लोरेशन कार्य को गति दे और कार्यों में डूप्लिकेसी से बचा जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता होने पर निजी क्षेत्र के की एक्सप्लोरेशन कार्य में लगी संस्थाओं की भागीदारी भी तय की जाएगी।

रविकान्त ने कहा कि मास्टर प्लान सहित प्रदेश की खनिज संपदा से संबंधित सामग्री को पब्लिक प्लेटफार्म में रखा जाए ताकि पारदर्शिता के साथ ही प्रदेश के माइनिंग सेक्टर में अधिक साधन संपन्न और तकनीकी दृष्टि से सशक्त प्रतिभागी आगे आ सकेंगे और इससे प्रदेश को माइनिंग ब्लॉकों की नीलामी से लेकर खनन तक बेहतर राजस्व भी प्राप्त हो सकेगा और वैज्ञानिक ढंग से खनन होने से जीरो लॉस खनन हो सकेगा। उन्होंने आरएसएमईटी की तकनीकी सलाहकार समिति को और अधिक सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए ताकि कार्य में गुणवत्ता बनी रहे।

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य में नवीनतम तकनीक के उपयोग की आवश्यकता है ताकि मिनरल की उपलब्धता और गुणवत्ता के आधार पर नीलामी में बेहतर राजस्व प्राप्त हो सके।

आरएसएमईटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एनपी सिंह ने बताया कि आरएसएमईटी द्वारा प्रदेश में एक्सप्लोरेशन से लेकर ड्रिलिंग, सेंपल एनालीसिस और विभागीय लेब के सशक्तिकरण के साथ ही तकनीकी रुप से विभागीय टीम को संसाधन उपलब्ध कराकर सक्षम बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आरएसएमईटी द्वारा ऑक्शन के लिए ब्लॉक तैयार कर उपलब्ध कराए गए हैं।

कुलपतियों के दल ने किसानों के साथ किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में राष्ट्रीय संगोष्ठी में एकत्रित हुए देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने इसके दूसरे एवं अंतिम दिन कृषि महाविद्यालय जोबनेर का दौरा किया और बस्सी-झांझड़ा गांव का भ्रमण कर किसानों के साथ संवाद किया। कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर और इंडियन एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन कुलपतियों और अधिकारियों ने कृषि महाविद्यालय जोबनेर का दौराकर छात्रों द्वारा तैयार मृदा प्रोफाइल, बीज उत्पादन, मधुमक्खी पालन, एरोपोनिक्स और जैवविविधता मॉडल जैसे इनोवेटिव प्रोजेक्टस का निरीक्षण किया। रेडी प्रोग्राम के तहत छात्रों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कुलपतियों ने कहा कि ऐसी प्रायोगिक गतिविधियां छात्रों के ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

संगोष्ठी के दौरान विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर आधारित रेडी एल्बम का विमोचन किया गया। इस एल्बम में विश्वविद्यालय की प्रमुख गतिविधियों और नवाचारों का विवरण दिया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा बलराज सिंह ने थारपारकर नस्ल की गाय के पर्यावरणीय अनुकूलन और इसकी सूखा प्रतिरोधी विशेषताओं की जानकारी दी। साथ ही जल संरक्षण के लिए विकसित सीवेज वाटर पुनर्भरण प्रणाली और वर्षा जल संग्रहण की सराहना की गई। इस दौरान कुलपतियों ने प्रकृति कक्ष का निरीक्षण किया जो छात्रों के लिए एक पर्यावरण-अनुकूल शिक्षण स्थान है। यहां प्रोसोपिस जुलिफ्लोरा से बनी दीमक-रोधी कुर्सियां न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं बल्कि छात्रों के लिए एक अनूठा अनुभव भी प्रदान करती हैं। फील्ड भ्रमण के दौरान डा बलराज सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई किस्मों, जैसे सौंफ की नई किस्म आरएफ-290 का प्रदर्शन किया। उन्होंने सरसों और रेपसीड में ओरबैंकिं समस्या और जीरे में ब्लाइट रोग जैसी चुनौतियों पर चर्चा की। कुलपतियों ने बस्सी-झांझड़ा गांव जिसे मिनी इज़राइल के नाम से जाना जाता है, में संरक्षित खेती के तहत एक हजार से अधिक पॉलीहाउस का सफल उदाहरण देखा गया। कुलपतियों और वैज्ञानिकों ने संरक्षित खेती की तकनीकों को पूरे देश में अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

गांव में आयोजित कार्यक्रम में किसानों ने थ्रिप्स, व्हाइटफ्लाई और माइट जैसी समस्याओं को उठाया। कुलपति ने इन समस्याओं का समाधान जल्द ही प्रदान करने का आश्वासन दिया।

इस मौके पद्मडा बलदेव सिंह ढिल्लों ने संरक्षित खेती में डा बलराज सिंह के योगदान की सराहना की। संगोष्ठी में डॉ. पी. कौशल, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. एन.के. गुप्ता, डॉ. एम.आर. चौधरी, डॉ हरफूल सिंह, डॉ एस आर ढाका, डॉ उम्मेद सिंह और अन्य प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने भाग लिया एवं कहा कि दो दिवसीय चर्चा के बाद उबरे महत्वपूर्ण मुद्दों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार के समक्ष रखने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में सैकड़ों किसानों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया जिससे भारतीय कृषि क्षेत्र में नवाचार और समाधान की दिशा में नए आयाम स्थापित हुए।

विद्यार्थी बौद्धिक क्षमता बढ़ाने पर ध्यान करें केंद्रित : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि विद्यार्थी किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करे। इसी से उसका सर्वांगिण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है। बागड़े सोमवार को भरतपुर विकास प्राधिकरण के ओडिटोरियम में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 60 वें प्रांत अधिवेशन के उद्धघाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी शिक्षण संस्थानों में अध्ययन के दौरान ध्यान लगाकर अध्ययन करें, किसी प्रकार की शंका-संकोच के लिये अध्यापक से तब तक सवाल करें जब तक आपके जवाब प्राप्त नहीं हो जाते। उन्होंने कहा कि शिक्षा लेना आपका हक है और सिखाना अध्यापक का कर्तव्य है।

बागड़े ने कहा कि विद्यार्थी अपनी बौद्धिक शक्ति, गुणों, कौशल, नम्रता व संस्कारों से एक उजाले के जैसे चमक कर अपनी प्रतिभा दिखाऐं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी महज किताबों के ज्ञान अर्जन या सर्टिफिकेट व डिग्री पर आश्रित ना रहे, बौद्धिक क्षमता का विकास कर व्यवहारिक गुणों के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी संगठन अपनी शक्ति का विकास कर विद्यार्थियों की सहायता करने के साथ साथ देश का नाम व शौर्य बढ़ाने का कार्य करें। उन्होंने भारतीय इतिहास की महत्त्वपूर्ण घटनाओं का जिक्र करते हुए महाराण प्रताप की शौर्य गाथा एवं गुरू गोविन्द सिंह के पुत्र बाल जोरावर सिंह व फतेह सिंह की बलिदान गाथा के बारे में बताते हुए युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने को कहा। उन्होंने भास्कराचार्य एवं भट्टाचार्य जैसे विद्वानों का उल्लेख करते हुये बताया कि भारत विश्वगुरु रहा है, यहां के प्राचीन ग्रंथो ने विज्ञान, खगोशास्त्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में हजारों साल पहले ही वो ज्ञान दिया है जिसे लेकर आज के वैज्ञानिक भी चकित हैं। उन्होंने नालन्दा विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति एवं ज्ञान भण्डार के बारे में बताते हुये कहा कि बाहरी आक्रांताओं ने बार-बार हमारी संस्कृति, इतिहास, परम्परा को मिटाने के प्रयास किए, लेकिन ये हमारे बीच आज भी विद्यमान हैं, जीवंत हैं, जिनका अनुसरण हमें करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय पुरातन शिक्षा नीति काफी महत्वपूर्ण है जिसका हमें अध्ययन करना चाहिये। उन्होंने कहा कि आज के युग में सभी क्षेत्रों में महिलाऐं पुरूषों से आगे आ रहीं हैं एवं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं। आरंभ में देवदत्त जोशी ने प्रांत अधिवेशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

राजस्थान में नव वर्ष मनाने के लिए पर्यटकों का उमड़ा सैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यटकों के पंसदीदा एवं विश्व प्रसिद्ध राजस्थान में नववर्ष मनाने के लिए सैलानियों का सैलाब उमड़ पड़ा हैं और राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं जिससे रौनक बढ़ गई हैं। शीतकालीन अवकाश के चलते क्रिसमस दिवस से ही प्रदेश में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, जैसलमेर, माउंटआबू सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों पर देशी विदेशी पावणों का जमावड़ा लगा हुआ है और अब वर्ष 2024 को विदाई देने एवं आने वाले नव वर्ष 2025 का जश्न मनाने के लिए लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं वहीं नये साल मनाने के लिए प्रदेश के विभिन्न शहरों में लोगों के आने का तांता लग गया हैं और लगभग सभी होटल, रेस्टोरेंट आदि अभी से फुल हो गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोगों ने नये साल का जश्न मनाने के लिए पहले ही अपने रुकने की जगह बुक करा ली थी और अब उनकी भीड़ जुटने लगी हैं जिससे पर्यटन स्थलों के मार्गों पर जाम की स्थिति बनने लगी है। पर्यटन विभाग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जयपुर में पिछले दो दिन में पर्यटकों की भीड़ बढ़ी हैं और गत 29 दिसंबर को प्रसिद्ध आमेर किले में 15 हजार 146 पर्यटक आये। इसी तरह 13 हजार 532 लोगों ने हवा महल को देखा जबकि नौ हजार 813 पर्यटक नाहरगढ़ किले पहुंचे और इस ऐतिहासिक स्थल का भ्रमण किया एवं नौ हजार 797 पर्यटकों ने जंतर मंतर का दीदार किया। इसी तरह ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल देखने के लिए बड़ी संख्या लोग पहुंचे और यहां सात हजार 320 लोगों ने रविवार को इसका भ्रमण किया। इससे पहले शनिवार के भी बड़ी संख्या में पर्यटकों ने इन स्थलों का भ्रमण किया जिसमें आमेर महल में 15 हजार 881, जंतर मंतर में नौ हजार 188, हवामहल में 13 हजार 22, अल्बर्ट छह हजार 975 लोगों ने भ्रमण किया। इसके मद्देनजर इन स्थलों पर सुरक्षा एवं व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से की गई हैं ताकि यहां आने वाले किसी भी सैलानी को परिशानी का सामना नहीं करना पड़े। प्रदेश में घूमने आये पर्यटकों में वाइल्डलाइफ टूरिज्म के प्रति भी काफी रुझान देखने को मिल रहा है और प्रदेश के प्रसिद्ध रणथंभौर, सरिस्का, झालाना सहित लगभग सभी वाइलडलाइफ टूरिज्म वाले स्थल आगामी पांच सात दिनों तक बुक है और वहां भी पर्यटकों की भीड़ देखी जा रही है।

राजधानी जयपुर में आमेर किला, सिटी पैलेस, जंतर-मंतर, गलताजी मंदिर, कनक वृंदावन, पन्ना मीना का कुंड, बिरला मंदिर, नाहरगढ़ किला, अल्बर्ट हॉल संग्रहालय और जल महल घूमने के लिए बेहतरीन स्थलों में शामिल हैं। इसी तरह उदयपुर में फतहसागर झील, पिछोला झील, सिटी पैलेस उदयपुर, जग निवास मंदिर, सज्जनगढ़ पैलेस, सहेलियों की बाड़ी और जगदीश मंदिर, जोधपुर में मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस, क्लॉक टावर और जसवंत थड़ा, जैसलमेर में सोनार किला, पटवों की हवेली, सैम सैंड ड्यून्स, गड़ीसर झील और कुलधरा गांव आदि ऐतिहासिक पर्यटन स्थल हैं।

यूथ आइकॉन अवॉर्ड के विजेता एक लाख रुपए की राशि से होंगे सम्मानित

जयपुर/दक्षिण भारत। राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन 8 से 12 जनवरी 2025 तक किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों के संबंध में सोमवार को युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के. पवन की अध्यक्षता में एसएमएस स्टेडियम के मीटिंग हॉल में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

पवन ने बताया कि यह चार दिवसीय महोत्सव 'विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार' थीम पर आधारित होगा। इसका आयोजन सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा। महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को 50 हजार, द्वितीय स्थान पर 25 हजार और तृतीय स्थान पर 10 हजार रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की उपलब्धियों एवं योजनाओं की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। इस संबंध में संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए। चार दिवसीय इस कार्यक्रम में प्रत्येक दिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया जाएगा तथा आमजन भी इस महोत्सव के प्रत्यक्ष साक्षी होंगे।

युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कला, संस्कृति, सामाजिक कार्य, विज्ञान और तकनीकी, नवाचार, साहसिक कार्य, शिक्षा, कृषि, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को 'राजस्थान यूथ आइकॉन अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। चयनित युवाओं को एक लाख रुपए और प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

पवन ने यह भी बताया कि राज्य स्तरीय युवा महोत्सव और यूथ आइकॉन अवार्ड में चयनित प्रतिभागियों को 12 जनवरी को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही, युवा दिवस पर आयोजित 28वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2025 में भाग लेने के लिए राजस्थान दल को 9 जनवरी को नई दिल्ली रवाना किया जाएगा।

गहलोत ने विधायकों को खुश करने के लिए बनाए थे नए जिले : राठौड़

जयपुर/दक्षिण भारत। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अशोक गहलोत ने विधायकों को खुश करने के लिए जल्दबाजी में नए जिलों के गठन की घोषणा की ताकि उनकी अस्थिर सरकार को समर्थन मिल सके। राजस्थान सरकार ने शनिवार को पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए 17 जिलों में से नौ को रद्द करने का निर्णय लेते हुए कहा कि यह न तो व्यावहारिक है और न ही जनहित में है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में तीन नए संभागों को भी रद्द कर दिया गया। अब राज्य में केवल सात संभाग और 41 जिले रह जाएंगे। राठौड़ ने दावा किया

कि गहलोत ने पूर्व सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी रामलुभाया की अध्यक्षता में समिति बनाई थी, लेकिन नए जिलों की घोषणा के बाद खुद रामलुभाया ने आश्चर्य जताया।

उन्होंने कहा कि इसका साफ मतलब है कि गहलोत ने समिति को अंधेरे में रखा और विधायकों को खुश करने के लिए जिलों का बंटवारा किया ताकि उनकी अस्थिर सरकार को समर्थन मिल सके। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने इन आरोपों को खारिज किया कि नए जिलों की घोषणा चुनाव से पहले राजनीतिक फायदे के लिए की गई।

उन्होंने कहा, अब कई नौकरशाह दावा कर रहे हैं कि नए जिले अव्यावहारिक थे, लेकिन भाजपा यह जानते हुए भी कि निर्णय सही था, हम पर हमला करने के लिए इसे ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है। राठौर ने एक बयान में कहा कि भाजपा सरकार ने सभी जिलों की समीक्षा के बाद पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ललित पंवार की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की, कैबिनेट समिति बनाई और उनकी रिपोर्ट के बाद कैबिनेट बैठक में नौ जिलों और तीन संभाग को समाप्त करने का प्रस्ताव किया है।

तीन बच्चों की करंट लगने से मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा और झालावाड़ में रविवार को अलग-अलग घटनाओं में करंट लगने से तीन बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। कोटा के महावीर नगर थाना क्षेत्र में टीचर्स कॉलोनी में बिजली के तार पर फंसी पतंग को उतारने की कोशिश कर रहे करण (11) की करंट लगने से मौत हो गई। थाना प्रभारी महेंद्र ने बताया कि कुछ मीटर दूर खड़ा उसका भाई राहुल (नौ) भी करंट लगने से झुलस गया, लेकिन उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

गंगा को पुण्य समर्पित कर श्रद्धालुओं को पुण्य का भागी बनाते हैं नागा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/एजेन्सी। सनातन धर्म के रक्षक महायोद्धा नागा संन्यासी शुभ्र वर्ण पतित पावनी गंगा, श्यामल यमुना और अन्त: सलिला स्वरूप में प्रवाहित हो रही सरस्वती के संगम में आस्था की डुबकी लगाकर अपने समस्त पुण्य को समर्पित कर आम जनमानस को पुण्य का भागी बनाते हैं।

शैव संप्रदाय के श्रीपंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव महंत यमुना पुरी ने मेला क्षेत्र स्थित शिविर में बताया कि साधु–महात्मा, संत, योगी, यति, संन्यासी और परमहंस वृत्ति वाले गंगा को प्रणाम करके उनसे अनुरोध करते हैं कि 12 वर्षों के जप, तप, ध्यान और योग से जो भी विशुद्ध ऊर्जा प्राप्त किया है, उसके अलावा उनके पास देने को कुछ नहीं हैं। जन कल्याण के लिए उसे आप को समर्पित करते हैं। ऐसा विचार कर वह त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। उन्होंने बताया कि आस्था की डुबकी लगाने के साथ उनके समस्त पुण्य फल उसमें समाहित हो जाते हैं और उनके बाद स्नान करने वाले आम जनमानस के पापों का क्षय करके उन्हें पुण्य का भागीदार बनाते हैं।

सचिव ने बताया कि नागा साधु जंगलों, पहाड़ों और कंदराओं में रहकर कठोर साधना के लिए जाने जाते हैं। इनका जीवन आम जनमानस से एकदम भिन्न होता है। सांसारिक लोगों के बीच में नागा साधु साधना और वैराग्य के लिए जाने जाते हैं। ये निर्वस्त्र रहकर भस्म को अपना वस्त्र मानकर शरीर पर धारण करते हैं, जो उनकी पूर्ण वैराग्य की स्थिति को दर्शाता है। उनका शाही स्नान कुंभ मेले के स्नान के प्रारंभ का प्रतीक है। मान्यता है कि उनके स्नान से संगम के जल में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है।

महंत यमुना पुरी ने बताया कि कठोर तप से प्राप्त पुण्यफल के साथ नागा संन्यासियों के स्नान से संगम के जल में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। नागा साधुओं का स्नान सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था को जागृत कर उसकी गहराई और विविधता को दर्शाता है। नागाओं का अमृत स्नान धार्मिक, आध्यात्मिक ऊर्जा और संस्कृति का संगम भी माना जाता है।

अखाड़े के महंत ने बताया कि नागा साधुओं की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है। ये साधु–संत समाज सुधार और सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने जीवन का त्याग कर तपस्या में लीन रहते हैं। प्राचीन समय में नागा साधु क्षत्रिय धर्म को भी निभाने के साथ ही धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करते थे।

नागा साधुओं को समाज से दूरी बनाने पर उन्होंने कहा कि भीड़ साधना में ध्यान की एकाग्रता को दिग्भ्रमित करता है। वह कठोर साधना के लिए सामाजिक दूरी बनाए रखते हैं। भस्म से सजी देह और आकाश की ओर बढ़ती जटाएं नागा साधु को अनोखा बनाती हैं।

पप्पू यादव ने प्रशांत किशोर को बताया फ्रॉड किशोर

पटना/एजेन्सी। बिहार में पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर पर हमला बोलते हुए उन्हें फ्राड किशोर बताया है। यादव ने रविवार की देर शाम बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज होने के सोमवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से मिलकर छात्रों के समर्थन में छह सूत्री मांगों को ज्ञापन सौंपा। मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए यादव ने कहा कि छात्रों पर लाठी चार्ज किया गया है। उसको लेकर बात की गई। राज्यपाल ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को बुलाया है। राज्यपाल ने बीपीएससी चेयरमैन से मेरे सामने बात की भी है। जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन मिला है। इसके अलावा राज्यपाल ने सीएम से बात करने की भी बात कही है।

अभ्यर्थियों को बिहार पीएससी परीक्षा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का संदेह है : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें पता चला है कि बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा के जरिए भरे जाने वाले पदों के लिए हजारों करोड़ रुपए का लेन–देन हुआ है।

किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा लगभग दो सप्ताह से चल रहे आंदोलन पर एक भी शब्द नहीं बोलने पर भी निराशा व्यक्त की। वह कुमार के कभी करीबी सहयोगी हुआ करते थे।

किशोर ने यहां संवाददाताओं से कहा, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और पानी की बौछारों का इस्तेमाल करने के बावजूद अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री दिल्ली में हैं और जब वहां पत्रकारों ने आंदोलन के बारे में सवाल पूछने के लिए उनसे संपर्क किया तो उन्होंने एक भी शब्द नहीं बोला।

किशोर ने कहा कि उन्होंने एक दिन पहले प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया था और वह शाम करीब चार बजे तक अभ्यर्थियों से कहते रहे कि वे मुख्यमंत्री के बयान का इंतजार करें, जो शायद कोई ऐसा रुख अपनाएं जिससे गतिरोध खत्म हो सके, लेकिन मुख्यमंत्री चुप्पी साधे रहे। उन्होंने दावा किया प्रदर्शनकारियों का मानना है कि बीपीएससी फिर से परीक्षा कराने का आदेश इसलिए नहीं दे रहा है, क्योंकि करोड़ों रुपए का पहले ही लेन–देन हो चुका है। 13 दिसंबर को हुई परीक्षा के जरिए जिन पदों को भरना था, उन्हें बिक्री के लिए रखा गया था।

बीपीएससी द्वारा राज्यभर के 900 से अधिक केंद्रों पर आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में करीब पांच लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पटना के एक परीक्षा केंद्र पर सैकड़ों अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र लीक होने का आरोप लगाते हुए परीक्षा का बहिष्कार किया।

बीपीएससी ने इसका खंडन करते हुए इसे परीक्षा को रद्द करवाने की एक साजिश बताया था, लेकिन उसने बाद में पटना के बापू परीक्षा केंद्र में इम्तिहान में शामिल हुए 10,000 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए फिर से परीक्षा का आदेश भी दे दिया था।

प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि कुछ अभ्यर्थियों के लिए फिर से परीक्षा कराना समान अवसर के सिद्धांत के खिलाफ होगा और इसलिए पूरी परीक्षा रद्द कर दी जानी चाहिए और नए सिरे से आयोजित की जानी चाहिए।

किशोर ने बीपीएससी में भ्रष्टाचार व्याप्त होने का आरोप लगाया है। उन्होंने हालांकि यह स्पष्ट किया कि उन्हें मुख्य सचिव अमृत लाल मीना द्वारा प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करने की इच्छा दिखाए जाने बाद सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है। उन्होंने कहा, फिलहाल हमारे युवा छात्रों का भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

राजनीतिक लाभ के लिए मनमोहन सिंह के निधन का राहुल गांधी ने फायदा उठाया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अपने 'राजनीतिक लाभ' के लिए पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन का ''फायदा'' उठाया और जब पूरा देश उनके निधन पर शोक मना रहा है, तब राहुल नए साल का जश्न मनाने के लिए वियतनाम चले गए।

कांग्रेस ने पलटवार करते हुए पूछा कि ''संघी ध्यान भटकाने की राजनीति कब बंद करेंगे।

भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जब पूरा देश प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, तब राहुल गांधी नए साल का जश्न मनाने के लिए वियतनाम चले गए। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अपनी ''सुविधाजनक राजनीति'' के लिए डॉ. सिंह के निधन का ''फायदा'' उठाया। भाजपा नेता ने कहा कि सिंह के प्रति राहुल के ''असम्मान'' को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मालवीय ने आरोप लगाया, गांधी और कांग्रेस सिखों से नफरत करते हैं। यह कभी न भूलें कि इंदिरा गांधी ने दरबार साहिब को अपवित्र किया था।

कांग्रेस नेता माणिकम टैगोर ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, संघी ध्यान भटकाने की ये राजनीति कब बंद करेंगे?'' उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिंह के अंतिम संस्कार के लिए यमुना तट पर जगह देने से इनकार कर दिया और उनके मंत्रियों ने पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार को जगह नहीं दी, वह ''शर्मनाक'' था।

वियतनाम यात्रा पर कांग्रेस नेता ने मालवीय से पूछा, अगर गांधी निजी तौर पर यात्रा करते हैं, तो आपको इससे क्या परेशानी है?''

रविवार को भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के राजकीय अंतिम संस्कार को लेकर दोनों दलों के बीच वाकयुद्ध हुआ था। रविवार को भाजपा ने केंद्र के खिलाफ कांग्रेस के उन आरोपों को बेबुनियाद करार दिया कि सिंह की अंत्येष्टि के दौरान ''असम्मान और कुप्रबंधन'' देखने को मिला।

मनमोहन सिंह (92) का 26 दिसंबर की रात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। वह 92 वर्ष के थे। 1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण के युग की शुरुआत करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री का शनिवार को निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

अगले साल युवा सशक्तीकरण और शिक्षा में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगाः खांडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि राज्य के विकास और समृद्धि के लिए युवा सशक्तीकरण और शिक्षा क्षेत्र में सुधार आवश्यक है तथा उनकी सरकार 2025 में इन क्षेत्रों में सुधार पर ध्यान केंद्रित करेगी। राज्य सरकार ने अपने बजट में 2024–25 को 'युवाओं का वर्ष' घोषित किया है।

खांडू ने कहा कि सरकार का यह कदम राष्ट्र एवं राज्य को आकार देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है।

मुख्यमंत्री ने 'पीटीआई–भाषा' से साक्षात्कार में कहा, युवाओं का वर्ष दर्शाता है कि 'विकसित भारत' और 'विकसित अरुणाचल' के

निर्माण में हमारे युवाओं की बड़ी जिम्मेदारी को हम पहचानते हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम सत्तारूढ़ पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों के अनुरूप है।

'युवाओं के वर्ष' का एक प्राथमिक उद्देश्य युवा पीढ़ी में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना है। सरकार का लक्ष्य विभिन्न योजनाओं और नीतियों के माध्यम से एक मजबूत उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

खांडू ने कहा, हमारी सरकार युवाओं को उद्यमशीलता के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराएगी और कौशल विकास कार्यक्रमों पर जोर देगी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अरुणाचल प्रदेश उद्यमिता विकास कार्यक्रम (एपीईडीपी) पहले ही शुरू किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से भारतीय प्रबंधन संस्थान और भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई) गुवाहाटी जैसी संस्थाओं को जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र एक और ऐसा प्रमुख क्षेत्र है जिस पर सरकार ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य अगले तीन वित्त वर्षों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर बुनियादी ढांचे और छात्रों को बेहतर अवसर सुनिश्चित कराने के लिए परिवर्तनकारी बदलाव करने की योजना बना रहा है।

नोएडा में लुटेरी दुल्हन गिरोह की वांछित महिला गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। थाना सूरजपुर पुलिस ने लुटेरी दुल्हन गिरोह की वांछित महिला को दुल्हन बनकर लोगों के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया है। इसके पति समेत चार लोगों को चार दिन पूर्व गिरफ्तार किया गया था। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि चार दिन पूर्व थाना पुलिस ने एक व्यक्ति की शिकायत पर प्रदीप, आमिर, संतोष, और मालती को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि जांच और पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये लोग अविवाहित लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनकी शादी करवाते हैं। पीड़ित इनकी बताई जिस युवती से शादी करता, वह एक–दो दिन में वर पक्ष के घर का सामान चोरी करके उनके पास वापस आ जाती। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि चार दिन पूर्व गिरफ्तार दानिश अपनी पत्नी अनम उर्फ महावीर उर्फ नेहा उर्फ सिमरन को दुल्हन बनाकर अविवाहित लोगों की शादी करवाता था, तथा सुहागरात के बाद वह उसके घर का सारा सामान समेट कर भाग आती थी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार महिला को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसको 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मनुवादी सोच के कारण भाजपा शासित राज्यों में दलितों, आदिवासियों के साथ हो रही बर्बरता : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में एक दलित व्यक्ति की कथित हत्या तथा ओडिशा में तीन आदिवासी महिलाओं के साथ मारपीट की घटना को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मनुवादी सोच के कारण उसके शासन वाले राज्यों में दलित और आदिवासी समुदायों के लोगों के साथ बर्बरता हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के बहुजनों के साथ ऐसी बर्बरता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मध्य प्रदेश में देवास जिले के एक पुलिस थाने में एक दलित व्यक्ति की मौत के बाद उसके परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया।

देवास के पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत ने बताया कि 35

वर्षीय मुकेश लोंगरे की शनिवार को मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि मुकेश को 26 दिसंबर को एक महिला द्वारा उसके खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत के संबंध में पूछताछ के लिए सतवास पुलिस थाने बुलाया गया था।

ओडिशा के बालासोर जिले में कुछ आदिवासी परिवारों का धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश के आरोप में भीड़ ने तीन लोगों को कथित तौर पर पेड़ से बांध कर उनके साथ मारपीट की।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, एक तरफ़ मध्यप्रदेश के देवास में दलित युवक की पुलिस हिरासत में हत्या की गई। दूसरी तरफ़, ओडिशा के बालासोर में आदिवासी महिलाओं को पेड़ से बांधकर पीटा गया है। दोनों घटनाएं दुखद, शर्मनाक और अत्यंत निंदनीय हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की मनुवादी सोच के कारण उसके शासन वाले राज्यों में एक के बाद एक इस तरह की घटनाएं हो रही हैं तथा सरकार की शह के बिना यह संभव नहीं है।

राहुल गांधी ने कहा, देश के बहुजनों के साथ ऐसी बर्बरता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हम उनके साथ हैं, उनके संवैधानिक अधिकारों के लिए और उन्हें न्याय दिलाने के लिए पूरी ताकत के साथ लड़ेंगे।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान और कमजोर वर्गों पर अत्याचार ही भाजपा के शासन का मूलमंत्र है। देवास, मध्य प्रदेश में पुलिस हिरासत में दलित युवक की मौत का मामला अत्यंत गंभीर है।

रोहित, कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने वास्तव में कोई योगदान नहीं दिया : गावस्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सोमवार को टीम को निराश करने के लिए सीनियर खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली की आलोचना की और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में हार के लिए भारतीय शीर्ष क्रम को जिम्मेदार ठहराया।

चौथे टेस्ट के अंतिम दिन भारत के सामने 340 रन का लक्ष्य था लेकिन यशस्वी जायसवाल (84) को छोड़कर कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज योगदान नहीं दे पाया। भारत को इस मैच में 184 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारत इस तरह से पांच मैचों की श्रृंखला में 1–2 से पिछड़ गया।

गावस्कर ने इंडिया टुडे से कहा, यह सब चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है। जो योगदान अपेक्षित था वह नहीं आया है। यह शीर्ष क्रम है जिसे योगदान देना है, यदि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज योगदान नहीं दे रहे हैं तो फिर तो निचले क्रम को दोष क्यों दें। उन्होंने कहा, सीनियर खिलाड़ियों ने वास्तव में वह योगदान नहीं दिया जो उन्हें देना चाहिए था, उन्हें बस आज अच्छी बल्लेबाजी करनी थी। यह सिर्फ इतना है कि शीर्ष क्रम ने योगदान नहीं दिया और यही कारण है कि भारत इस स्थिति में पहुंचा।

गावस्कर ने जहां जायसवाल की जोरदार पारी की सराहना की, वहीं वह एक बार फिर ऋषभ पंत के शॉट चयन से निराश नजर आए। भारत का स्कोर एक समय तीन विकेट पर 33 रन था तब जायसवाल और पंत ने स्थिति संभाली और लंच के बाद के सत्र में भारत को 121 रन तक पहुंचाया। इसके बाद पंत ने हवा में शॉट खेल कर अपना विकेट गंवाया जिससे भारतीय टीम लड़खड़ा गई।

गावस्कर ने कहा, ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल ने लंच के बाद के सत्र में जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे निश्चित तौर पर लग रहा था कि भारत इस मैच को ड्रॉ कर सकता है क्योंकि यह बिना विकेट खोए एक और घंटे तक बल्लेबाजी करने की बात थी। उन्होंने

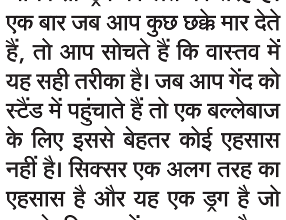

कहा, आप जानते हैं कि क्रिकेट में इस शॉट को सिक्सर कहा जाता है जो किसी ड्रग की लत की तरह है। एक बार जब आप कुछ छक्के मार देते हैं, तो आप सोचते हैं कि वास्तव में यह सही तरीका है। जब आप गेंद को स्टेंड में पहुंचाते हैं तो एक बल्लेबाज के लिए इससे बेहतर कोई एहसास नहीं है। सिक्सर एक अलग तरह का एहसास है और यह एक ड्रग है जो आपके सिस्टम में चला जाता है।

गावस्कर ने कहा, उस समय छक्का लगाने की कोई जरूरत नहीं थी। इससे हम मैच नहीं जीतने वाले थे। अगर उस समय जमीन से चिपकता शॉट खेला जाता तो हमें चार रन मिलते। इससे ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत के दरवाजे खुल गए।

गावस्कर ने तकनीक की अनदेखी करने और क्रिस गफनी के गेंद पर जायसवाल को विवादास्पद तरीके से कैच आउट देने के लिए टीवी अंपायर की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, इस तरह के मामले में दोहरे मानदंड नहीं अपनाने चाहिए, क्योंकि पर्थ में आपने केएल राहुल को आउट दिया था, जहां आपने दृश्य साक्ष्य के आधार पर नहीं, बल्कि तकनीकी के आधार पर फैसला दिया था। आप एक दिन तकनीकी और अगले दिन दृश्य साक्ष्य के आधार पर फैसला नहीं दे सकते। यदि आप मुझसे पूछें तो दृश्य साक्ष्य इतना स्पष्ट नहीं था कि आप फैसला पलट सकें। गावस्कर ने कोहली को भी सलाह दी, जो ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, उनका पैर गेंद की पिच की सीध पर नहीं जा रहा है। यदि आपका पांव गेंद की सीध की तरफ जाता है तो आप बल्ले के बीच से शॉट लगा सकते हैं लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है और इसलिए गेंद बल्ले का किनारा ले रही है।

पंत को यह समझने की जरूरत है कि उनके लिए क्या जरूरी है : रोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। यशस्वी जायसवाल के साथ शानदार साझेदारी करने के बाद आक्रामक शॉट पर अपना विकेट गंवाने वाले ऋषभ पंत से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सोमवार को कहा कि उन्हें 'यह समझना होगा कि उनके लिए क्या जरूरी है'।

जायसवाल और पंत जब क्रीज पर मौजूद थे तब बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था लेकिन पंत ने दिन के आखिरी सत्र में कामचलाऊ स्पिनर ट्रेविस हेड के खिलाफ आक्रामक शॉट खेला और लांग ऑन पर पर कैच देकर पवेलियन लौटे। उनके आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई और ऑस्ट्रेलिया ने 184 रन की जीत के साथ श्रृंखला में 2–1 की बढ़त कायम कर ली।

पंत इस मैच की पहली पारी में भी गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर आउट हुए थे। दोनों पारियों में उनके विकेट के ऑस्ट्रेलिया को मैच पर पकड़ बनाने का मौका मिल गया। पहली पारी में स्कॉट बोलैंड की गेंद पर उनके लैप शॉट खेल कर उनके आउट होने को कमेंट्री कर रहे पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बेवकूफाना करार दिया था।

पंत ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर भारत की जीत के नायक रहे थे लेकिन मौजूदा दौरे पर वह लगातार गैरजिम्मेदाराना शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा रहे हैं।

रोहित से मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में जब सोमवार को पंत के आउट होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में पूछा, आज ? (या) उस दिन।

भारतीय कप्तान ने कहा, आज के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है। हम अभी मैच हारे हैं और हर कोई इस बात से निराश है। हमने निश्चित रूप से इस परिणाम के बारे में नहीं सोचा था। उन्होंने कहा, पंत को यह समझने की जरूरत है कि उनके लिए क्या जरूरी है। हम में से किसी को उसे बताने की जरूरत से ज्यादा उसे खुद ही इन चीजों को समझने की जरूरत है।

कप्तान ने स्वीकार किया कि पंत की आक्रामक बल्लेबाजी ने अतीत में टीम को बड़ी सफलता दिलाई है, लेकिन वह चाहते हैं कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज आक्रामक और रक्षात्मक खेल में संतुलन बनाए रखें। उन्होंने कहा, यह परिस्थितियों के बारे में भी है।

बुमराह आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर और सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार की दौड़ में

दुबई/भाषा। भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए नामित किया गया जबकि वह साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार की दौड़ में भी शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की मौजूदा बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में मेजबान टीम के बल्लेबाजों को परेशान करने वाले बुमराह को वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स के नाम पर दिए जाने वाले सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रूक तथा ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड के साथ नामित किया गया है।

वर्ष 2024 में शानदार प्रदर्शन करने वाले बुमराह, रूट, ब्रूक और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस को साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए भी नामित किया गया है। बुमराह 2024 में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 13 मैच में 14.92 की औसत और 30.16 के स्ट्राइक रेट से 71 विकेट चटकाए हैं जो पारंपरिक प्रारूप में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

सुविचार

भगवान तो सबके मन में हैं लेकिन सबका मन भगवान में नहीं लगा है, इसीलिए हम कष्ट और दुर्गति भोगते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत का सुरक्षा परिदृश्य

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ी गहरी बात कही है कि 'सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए भारत बहुत भाग्यशाली देश नहीं है।' हमारे देश पर सदियों से हमले होते रहे हैं। अब उनके तौर-तरीकों में कुछ बदलाव आ गया है, लेकिन देश को नुकसान पहुंचाने की कोशिशें जारी हैं। हमारे सुरक्षा बल उन्हें विफल करने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। उनके जवानों और अधिकारियों ने बड़े-बड़े बलिदान दिए हैं, इसलिए हम सुरक्षित हैं। भारत पर हमलों से जान-माल के अलावा सांस्कृतिक नुकसान भी बहुत हुआ है। विदेशी आक्रांताओं ने छल-कपट और विभिन्न तरीकों से भारत में अपना शासन स्थापित किया और समाज में फूट डालने के पैंतरे आजमाए। उनका भयानक नतीजा निकला और उससे पैदा हुईं चुनौतियां आज भी अपनी जगह खड़ी हैं। हमें अपने इतिहास का अध्ययन करना चाहिए और उन 'गलतियों' पर भी चर्चा करनी चाहिए, जो अतीत में कभी हुई थीं। जिन विदेशी आक्रांताओं ने भारत पर हमले किए, वे कोई बहुत बहादुर, अक्लमंद और कुशल रणनीतिकार नहीं थे। उन्होंने हमारी 'एकता की कमी' और 'समन्वय के अभाव' का जमकर फायदा उठाया था। उन्होंने समाज में दरारें पैदा कीं, भाई को भाई से लड़वाया और खुद मज़े से राज करते रहे। 'सोने की चिड़िया' को लूटने के लिए विदेशी आक्रांता लालायित रहे। वे साजिशें रचकर हमले करते रहे। अगर कहीं विफल हो गए तो हमारे तत्कालीन शासकों से क्षमादान पा गए। उसके बाद ताकत जुटाकर फिर हमला बोला और एक बार जब दांव लग गया तो उन्होंने किसी को क्षमा नहीं किया।

निस्संदेह अतीत में हमें बहुत ठोकरें लगी हैं, लेकिन यह हमारी जीवटता है कि कोई भी बाधा हमें ज्यादा अवधि तक रोक नहीं सकी। हम दोबारा उठ खड़े हुए। विदेशी आक्रांता जिन इलाकों से आए थे, आज वहां भारतीयों के ज्ञान और कौशल को सराहा जा रहा है। जिनके पूर्वजों ने सदियों पहले हमारे देश में लूटमार की थी, उन्हें रोटी और दवाइयां हमने ही भेजीं। हमें अतीत की उन कमजोरियों से सबक लेते हुए सामाजिक एकता को मजबूत करना होगा, राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर गंभीर रहना होगा, दूरदर्शी सोच रखते हुए आधुनिक विज्ञान को जीवन का अभिन्न अंग बनाना होगा। चीन और पाकिस्तान जैसे देश हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष चुनौतियां पैदा करते रहेंगे। वहीं, बांग्लादेश, मालदीव जैसे देश भी मौका पाते ही भारतविरोधी मानसिकता का प्रदर्शन कर चुके हैं, फिर कर सकते हैं। यहां हमें 'जैसा रोगी, वैसा उपचार' की नीति अपनानी होगी। छोटे देशों को सहायता जरूर दें, लेकिन उन्हें इतनी खुली छूट न मिले कि वे हमें ही आंखें दिखाने लगें। भविष्य में एआई से डिजिटल फ्रॉड, डीपफेक, बैंक हैकिंग, हनीट्रैप, फर्जी खबरों के प्रसार से जनता में असंतोष भड़काने जैसी गतिविधियों में तेजी आ सकती है। इसके अलावा ड्रोन के जरिए तस्करी, अवैध सामग्री की आवाजाही, अनुचित फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी के मामले नई किस्म की चुनौतियां पैदा कर सकते हैं। यूक्रेन ने रूस से युद्ध में ड्रोन तकनीक का बहुत घातक इस्तेमाल किया है। विस्फोटक सामग्री से लैस और लागत में काफी सस्ते यूक्रेनी ड्रोन्स ने काफी तबाही मचाई है। कई रूसी सैनिक और भारी-भरकम टैंक यूक्रेनी ड्रोन्स के शिकार हो गए। हथियारों और संसाधनों के मामले में यूक्रेन, रूस के सामने कहीं नहीं टिकता, उसे काफी नुकसान हुआ है, लेकिन उसने पुतिन को बुरी तरह उलझा रखा है। भविष्य में अंतरिक्ष भी युद्ध का नया मैदान बन सकता है। जो देश अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में आगे रहेंगे, वे निश्चित रूप से फायदे में रहेंगे। परंपरागत ढंग से मजबूत सैन्य बल की जरूरत हमेशा रही है और रहेगी।

ट्वीटर टॉक

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक, सुविख्यात वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। डॉ. विक्रम साराभाई जी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु आज मुख्यमंत्री निवास पर अजमेर संभाग के मंत्रिगण एवं विधायकों के साथ बैठक ली। इस अवसर डबल इंजन सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

-भजनलाल शर्मा

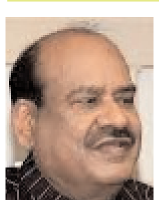

बून्दी में पेंशनर्स समाज के अधिवेशन में वरिष्ठजनों से संवाद का अवसर मिला। पेंशनर्स समाज की यह विभूतियां वे लोग हैं जिन्होंने अपने जीवन का अनमोल समय देश और समाज की सेवा में समर्पित किया। बून्दी में पेंशनर्स के लिए एक आधुनिक भवन बनाया जाएगा।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

सामंजस्य का सूत्र

जापान के राजा यामोता धर्मात्मा तथा उदार हृदय के शासक थे। उनका मंत्री ओचोआन भी परम संयमी व संतोषी था। एक बार राजा को पता चला कि मंत्री के दादा के सभी भाइयों की संतानें एक साथ प्रेमपूर्वक रहती हैं। इस विशाल परिवार में कभी किसी बात को लेकर विवाद नहीं होता। एक दिन उन्होंने सोचा, इस आदर्श परिवार की एकता व सौहार्द का रहस्य जानना चाहिए। वे अचानक मंत्री के घर जा पहुंचे। मंत्री ने राजा का विनम्रता से स्वागत किया। अपने भाइयों, पुत्र-पौत्रों, बहनों, बेटियों व बहुओं से उनका परिचय कराया। राजा ने देखा कि परिवार के कई सौ सदस्यों में अनूठा प्रेम झलक रहा है। राजा ने विनम्रता से पूछा, 'मैं यह जानना चाहता हूं कि इतने विशाल परिवार में ऐसा अनूठा प्रेम-सौहार्द बनाए रखने का आपका मूल मंत्र क्या है?' मंत्री ने कहा, 'राजन, संतोष और सहनशीलता ऐसे अनूठे सूत्र हैं, जो विशाल परिवार को एक साथ रखने में समर्थ होते हैं। धर्म ने हमें सादगी, सरलता और संतोष का जीवन जीने की प्रेरणा दी है। सहनशीलता राग-द्वेष व कलह को पास नहीं फटकने देती।'

सामयिक

भारत के विकास की असीम संभावनाओं वाला है नया वर्ष

डॉ. आर.के. सिन्हा

> **नितिन गड़करी के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, के विकास पर जोर दे रहा है। सरकार का लक्ष्य 2025 तक ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी तेजी से हो रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, सरकार शहरों को अधिक रहने योग्य और कुशल बनाने के लिए काम कर रही है। 2025 तक, स्मार्ट शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, स्वच्छता, और सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाएं होंगी।**

भारत के लिए नूतन वर्ष 2025 कई क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियों का बड़ा तोहफ़ा लेन वाला साल साबित हो सकता है। भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ लंबी छलांग लगा सकता है। सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाएं देने में भी हम सारे संसार का नेतृत्व करने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसी तरह भारत विश्व भर के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और सस्ता आकर्षण का केंद्र भी बन सकता है जहाँ पर्यटकों की रुचि के तमाम केंद्र, हर तरह के ख़ान-पान, स्थानीय कुटीर उद्योगों के उत्पाद और गाइड के रूप में अच्छे पड़े लिखे बढ़िया अंग्रेज़ी जानने बोलने वाले विद्यमान है, जो एक साथ मुश्किल से ही किसी एक देश में मिल सकते हैं। इनके अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रों में हमारे लिए आगे बढ़ने का अनुपम अवसर बन रहे हैं। अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है। इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता, और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन भी तेजी से विकसित किये जा रहे हैं । 2025 तक, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी।

भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक, इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है। 2025 तक, भारत में डिजिटल लेनदेन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक, इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा इसकी उम्मीद है, जो तेज रफ्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ, साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। 2025 तक, भारत इस क्षेत्र में और अधिक मजबूत हो सकता है, जो डेटा सुरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इसके साथ ही, भारत दुनिया के सबसे बड़े सॉफ्टवेयर विकास और निर्यात केंद्रों में एक बड़ा और मजबूत केंद्र बनकर खड़ा हो चुका है। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है, जो विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग बढ़ रहा है। 2025 तक, कई संगठन क्लाउड-आधारित समाधानों को अपनाएंगे, जो लचीलापन और कम लागत पर असीमित दक्षता प्रदान करेंगे। नए साल में, डेटा एनालिटिक्स में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी, जो व्यापारिक निर्णय लेने में मदद करेंगे।

आप मानकर चल सकते हैं कि नूतन साल में आईटी पेशेवरों की संख्या बढ़ती ही रहेगी। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों को आकर्षित कर सकता है। सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 2025 तक, यह प्रयास युवाओं को नए आईटी कौशल सीखने और रोजगार के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं। अब मेक इन इंडिया के बारे में तो विश्व भर में सब जानते ही हैं। यह पहल भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने पर केंद्रित है। सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना रही है। 2025 तक, भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स, और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। रक्षा विनिर्माण में भी सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दे रही है। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। 2025 तक, भारत रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

नितिन गड़करी के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, के विकास पर जोर दे रहा है। सरकार का लक्ष्य 2025 तक ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी तेजी से हो रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, सरकार शहरों को अधिक रहने योग्य और कुशल बनाने के लिए काम कर रही है। 2025 तक, स्मार्ट शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, स्वच्छता, और सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाएं होंगी।

आयुष्मान भारत योजना देश के लाखों लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है। सरकार स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, भारत में स्वास्थ्य सेवा में सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर अस्पताल, डॉक्टरों और दवाओं की पहुंच शामिल है।

भारत में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन, सेंसर, और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों से किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिल रही है। 2025 तक, कृषि क्षेत्र में अधिक डिजिटलीकरण होने की उम्मीद है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में तेजी से विकास हो रहा है। यह क्षेत्र किसानों के लिए आय बढ़ाने और खाद्य अपशिष्ट को कम करने में मदद कर सकता है। 2025 तक, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में और अधिक निवेश की उम्मीद है। उम्मीद है कि इस साल सेंसर, ड्रोन और जीपीएस जैसी तकनीकों का उपयोग करके किसान अब मिट्टी, पानी और उर्वरक का अधिक कुशलता से उपयोग करले लगेंगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार, मौसम की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों से तो जोड़ ही रहे हैं। सरकार कृषि अनुसंधान और विकास में निवेश कर रही है, जिससे नई फसलें, बेहतर कृषि तकनीकें और कीट नियंत्रण के नए तरीके विकसित हो रहे हैं।

स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम और कम लागत वाली पारंपरिक अन्नों पर जोर देकर मोदी सरकार ने छोटे किसानों के लिए दूरगामी योजना तैयार की है । यह अबतक का दुर्भाग्य ही रहा है कि हमारी सभी पूर्ववर्ती सरकारों का ध्यान सिंचित भूमि की कृषि पर ही रहा है, जो पिछले 75 वर्षों में और लाखों करोड़ रुपये का व्यय करने और बाँधो और परियोजनाओं के निर्माण में लाखों एकड़ भूमि बर्बाद करने के बाद भी हम मुश्किल से। 30-35 प्रतिशत भूमि ही सिंचित कर पाए है। प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए बरसात पर निर्भर पारंपरिक अन्नों, दलहन और तिलहन की खेती करने वाले छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों की चिंता हमने की ही कहाँ? अब आशा करनी चाहिए कि सतत अनुसंधानों और पारंपरिक फसलों के उत्पादन पर सरकार का ध्यान जाने से किसानों को लाभ होगा। साथ ही मिलेट्स का निर्यात बढ़ेगा और उपभोक्ताओ के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

वर्ष 2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने के संभावित परिणामों की बात करें तो कृषि उत्पादन में वृद्धि से देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी। किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। भारत कृषि उत्पादों का निर्यात करके भारी विदेशी मुद्रा अर्जित कर सकता है। हालांकि, कुछ चुनौतियां भी हैं जिनका समाधान करने की आवश्यकता होगी जैसे, छोटे किसानों को नई तकनीकों और बाजारों तक पहुंच प्रदान करना महत्वपूर्ण है। भूमि और जल संसाधनों का संरक्षण करना आवश्यक है, ताकि कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाया जा सके। इन चुनौतियों का समाधान करके भारत 2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगा सकता है और एक मजबूत और टिकाऊ कृषि प्रणाली विकसित कर सकता है।

शिक्षा के लिए भी 2025 बेहद अहम हो सकता है। सरकार ने हाल ही में एक नई शिक्षा नीति शुरू की है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में सुधार करना है। यह नीति कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा, और अनुसंधान पर केंद्रित है। 2025 तक, नई शिक्षा नीति से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। ऑनलाइन शिक्षा का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक, ऑनलाइन शिक्षा और अधिक सुलभ और किफायती होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत 2025 तक एक आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रगति से देश के विकास को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, सरकार को अभी भी गरीबी, असमानता और पर्यावरणीय चुनौतियों जैसी कई समस्याओं का समाधान करना बाकी है।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

नजरिया

कल की रचनात्मक तस्वीर का रेखांकन होगा नव-वर्ष

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

नववर्ष मुड़कर एक बार अतीत को देख लेने एवं भविष्य को बुनने का स्वर्णिम अवसर। क्या खोया और क्या पाया इस गणित को विश्लेषित करने एवं आने वाले कल की रचनात्मक तस्वीर के रेखांकन का प्रेरक क्षण। क्या बनाना है और क्या मिटाना है, इस अन्वेषणा में संकल्पों की सुरक्षा पंक्तियों का निर्माण करने के लिये अभिप्रेरित करने की चौखट है- नववर्ष। 'आज', अभी', इसी क्षण' को पूर्णता के साथ जी लेने के जागृति का शंखनाद है नववर्ष। बीते कल का अनुभव और आज का पुरुषार्थ ही भविष्य का भाग्य रच सकता है इसीलिये नववर्ष के उत्सव की प्रासंगिकता को नकारा नहीं जा सकता। इसीलिये वर्ष 2024 की निराशाओं, असफलताओं एवं नाउम्मीदों पर पश्चाताप करने की बजाय उम्मीद, आशा एवं जिजीविषा को जीवंत करें। भले ही पछतावा जीवन का एक ऐसा सत्य है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। हालांकि हमें यह सलाह दी जाती है कि अतीत में क्या हुआ, क्या खोया एवं क्यों संकल्प पूरे नहीं हुए, इस पर पछताना ठीक नहीं। बीती बातों को याद करके दुखी होने से केवल मानसिक तनाव, निराशा एवं असंतोष ही उत्पन्न होगा। फिर भी, हम पछतावे को हमारी जीवन यात्रा का अहम हिस्सा मानते हुए नववर्ष का स्वागत नये उजालों से करते हुए इसे प्रेरणा पर्व बनाये।

नए की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कहने की इस संधिबेला में किंपलिंग की विश्व प्रसिद्ध पंक्ति याद आ रही है-पूर्व और पश्चिम कभी नहीं मिलते।' पर मैं देख रहा हूं कि पुराना और नया मिलकर संवाद स्थापित कर रहे हैं। जाता हुआ पुराना वर्ष नये वर्ष के कान में कह रहा है, मैंने आंधियाँ अपने सीने पर झेली हैं, तू तूफान झेल लेना, पर मन के विश्वास को टूटने मत देना, संकल्प के दीपक को बुझने मत देना।' नये भारत के इक्कीसवीं शताब्दी के इस रजत जयन्ती वर्ष में इसी विश्वास को जीवंतता देने के लिये अपनी अनुकरणीय योजनाओं के साथ देश एवं दुनिया में सक्रिय होना है और अनूठा करना है। उसके लिये विश्वास एवं संकल्प वे छोटी-सी किरणें हैं, जो सूर्य का प्रकाश भी देती है और चन्द्रमा की ठण्डक भी। और सबसे बड़ी बात, वह यह कहती है कि अभी सभी कुछ समाप्त नहीं हुआ। अभी भी सब कुछ ठीक हो सकता है।' मनुष्य मन का यह विश्वास कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। इस तरह का संकल्प कोई रणनीति नहीं है, जिसे कोई वाद स्थापित कर शासन चलाना है। यह तो इंसान को इन्सान बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है।

जाते हुए वर्ष को अलविदा कहते हुए नए वर्ष की दस्तक आह्वान कर रही है कि अतीत की भूलों से हम सीख लें और भविष्य के प्रति नए सपने, नए संकल्प बुनें। अतीत में जो खो दिया उसका मातम न मनाएं। हमारे भीतर अनन्त शक्ति का स्रोत बह रहा है। समय का हर टुकड़ा विकास एवं सार्थक जीवन का आईना बन सकता है। हम फिर से वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसे अपनी दुर्बलताओं, विसंगतियों, प्रमाद या आलस्यवश पा नहीं सकते थे। मन में संकल्प एवं संकल्पना जीवंत बनी रहना जरूरी है। हर बार संकल्प पूरे हों, यह बिल्कुल जरूरी नहीं, क्योंकि जज्बा तब तक लोहा भर है, जब तक मन में दृढ़ता का बसेरा न हो। दृढ़ता आए तो यही जज्बा इस्पात बन जाता है। इसी जज्बे के साथ नये भारत के निर्माता समस्त विश्व के लोगों में एक दूसरे के प्रति विश्वास की भावना उत्पन्न करने, अच्छे नागरिकों का निर्माण करने, समस्त मानवता को मित्रता, भाई-चारे और विश्वास में बांधने के लिये तत्पर है। नैतिक एवं सौम्य गुणों को बढ़ावा देना, परोपकार, जनसेवा एवं समाज उत्थान के लिये व्यापक योजनाओं को आकार देने के लिये अग्रसर हैं, जिन्हें नये वर्ष में आसमानी ऊंचाई देने की प्रतिबद्धता है।

दुनिया में कुछ ही ऐसे भाग्यशाली लोग होते हैं, जिनके जीवन में पछतावा नहीं होता या बहुत कम होता है, क्योंकि वे जीवन को अपने तरीके से जीते हैं। युवावस्था में जीवन की गति तेज होती है। तब इतनी सारी चुनौतियां सामने होती हैं और इतने सारे विकल्प कि आगे बढ़ने की कोशिश में पछताने का वक्त नहीं मिलता। लेकिन जैसे-जैसे हम बूढ़े होते हैं और जीवन की गति धीमी होती जाती है, हम अतीत की सफलताओं-असफलताओं, हर्ष-विषाद, सुख-दुख, उन्नति-अवनति आदि चीजों पर सोचने लगते हैं। यह समय आत्मनिरीक्षण का होता है, जिसमें हम अपने जीवन की यात्रा और उसके अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। भीष्म पितामह जैसी शख्सियत को भी मृत्यु शैय्या पर पछतावा था कि उन्होंने अधर्म का साथ दिया। जीवन भर के उनके अच्छे कर्म उस समय याद नहीं आ रहे थे, और वह अपने एक निर्णय के कारण अपने जीवन के अंतिम क्षणों में पछता रहे थे। लेकिन हमें पछतावे से जीवन को धुंधलाना नहीं हैं, बल्कि नये संकल्पों से आगे बढ़ना है।

आप अपनी जिंदगी किस तरह जीना चाहते हैं? यह तय होना जरूरी है, आखिरकार जिंदगी है आपकी! दरअसल, जीवन एक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था, जो जड़ नही, चेतन है। स्थिर नहीं, गतिमान है। इसमें लगातार बदलाव भी होने है। जिंदगी की अपनी एक फिलासफी है, यानी जीवन-दर्शन। सनातन सत्य के कुछ सूत्र, जो बताते हैं कि जीवन की अर्थवत्ता किन बातों में है। ये सूत्र हमारी जड़ों में हैं-पुरातन ग्रंथों में, हमारी संस्कृति में, दादा-दादी के किस्सों में, लोकगीतों में। जीवन के मंत्र ऋचाओं से लेकर संगीत के नाद तक समाहित है। हम इन्हें कई बार समझ लेते हैं, ग्रहण कर पाते हैं तो कहीं-कहीं भटक जाते हैं और जब-जब ऐसा होता है, जिंदगी की खूबसूरती गुमशुदा हो जाती है। जीवन का एक-एक क्षण जीना है- अपने लिए, दूसरों के लिए यह संकल्प सदुपयोग का संकल्प होगा, दुरुपयोग का नहीं। बस यहीं से शुरू होता है नीर-क्षीर का दृष्टिकोण। यहीं से उठता है अंधेरे से उजाले की ओर पहला कदम। सच तो यह है कि नई जिन्दगी की शुरुआत ही नया वर्ष है। समझदार लोगों के लिये नववर्ष का जश्न पछतावा नहीं, बल्कि आभार जताने का मौका देती है। उन सबके लिये आभार, जिनसे हमने सीखा एवं पाया है। आभार एवं कृतज्ञता उन रास्तों के लिये, जो हमारे लिये आशीर्वाद बन गये और उस शांत यकीन के लिये जो बताता है कि जिन्दगी की अनिश्चितताओं में भी एक दैवीय व्यवस्था काम करती है हमारी नाउम्मीदी को उम्मीद में बदलने के लिये।

नववर्ष की याद दिलाने वाली एक बात यह है कि हालात चाहे कितने भी मुश्किल क्यों न हो, कहीं-न-कहीं कोई है जो हमारे लिये चीजों को आसान बनाने पर काम कर रहा है। ब्रह्माण्ड की जिस भी शक्ति को आप मानते हैं, वह आपके लिये, दोस्तों, परिवारजनों, अजनबियों और दैनंदिन के कामों के लिये एक रास्ता तैयार कर रही है, यही आपको मंजिल तक ले जायेगा। इसलिये थोड़ा रुके, सोचे, हौसल्लों को जीवंतता दे और फिर नयी शुरुआत करें। जान ले कि आप अकेले नहीं है और वह अदृश्य शक्ति एवं आस्था आपको मंजिल तक पहुंचाने में जुटी है।

जीवन को केवल पीछे मुड़कर समझा जा सकता है, लेकिन इसे आगे बढ़कर जीना भी पड़ता है। हम अपनी बातों और कार्यों की जिम्मेदारी लें, लेकिन कभी भी इन्हें अपने मन में इतना भारी न होने दें कि वे हमारे विकास को रोकें। यह महत्वपूर्ण है कि हम हार से सीखें और उन्हें अपने अनुभव का हिस्सा बनाएं, ताकि और अधिक समझदारी से जीवन में आगे बढ़ सकें और जीत को गले लगा सके। प्रयास यही रहे कि हमारे विकास में यह रुकावट न डाल पाए।

जाते हुए वर्ष को अलविदा कहने एवं नये वर्ष का स्वागत करने की यह चौखट कल्पना, ईमानदारी और आत्ममंथन की मांग करती है, जिससे हम अपने जीवन के फैसलों को और अधिक सटीक और तर्कसंगत बना सकते हैं। नए साल की शुरुआत जीवनशैली में बदलाव करने, बुरी आदतों को छोड़ने और अपने संकल्प को बेहतर बनाने के लिए एक बेहतरीन समय है। नए साल के सबसे लोकप्रिय संकल्पों में अधिक महत्वपूर्ण है अपने आत्मविश्वास को कमजोर न होने देना।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बैठक

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को चंडीगढ़ में विभिन्न किसान संगठनों के नेताओं के साथ बैठक की।

सिनेमा जगत की हस्तियों ने 'वेव्स' सम्मेलन के आयोजन के लिए सराहना की

नई दिल्ली/भाषा। अक्षय कुमार, अनिल कपूर, एकता कपूर और प्रसून जोशी समेत भारतीय फिल्म उद्योग की हस्तियों ने 'वेव्स समिट 2025' के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की। इस पहल का उद्देश्य भारत को वैश्विक सृजन का केंद्र बनाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने मासिक 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि भारत पांच फरवरी से नौ फरवरी के बीच पहली बार 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल इंटरटेनमेंट समिट' (वेव्स) की मेजबानी करेगा।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री के आधिकारिक पेज ने भी आगामी कार्यक्रम के बारे में एक पोस्ट साझा किया, जिसे कई मशहूर हस्तियों ने रीपोस्ट किया।

अभिनेता अक्षय कुमार ने 'वेव्स समिट 2025' को एक 'नायाब विचार'' करार दिया। उन्होंने लिखा, अब यह मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र को बढ़ावा देने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का दृष्टिकोण है...। उम्मीद है कि वेव्स 2025 सम्मेलन पूरे मनोरंजन उद्योग को एक साथ लाने और आगे बढ़ने के लिए एक शानदार वैश्विक मंच होगा।

अभिनेता ने कहा, वेव्स सम्मेलन भारत को फिल्म और मनोरंजन का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रचनात्मकता और सहयोग का जश्न मनाने के लिए दुनिया को एक साथ आते देखने के लिए उत्सुक हूं।

निर्माता एकता कपूर ने कहा, भारत को फिल्म और मनोरंजन का वैश्विक केंद्र बनते हुए देखकर बहुत खुशी हो रही है। इस ऐतिहासिक पहल में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।

अभिनेता निक्की तंबोली और अरबाज पटेल सोमवार को मुंबई के हवाई अड्डे पर पहुँचते ही फ़ोटो के लिए पोज़ देते हुए।

कीटाणुनाशक केवल 99.9% कीटाणुओं को ही क्यों मार पाते हैं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न।क्या आपने कभी सोचा है कि ज़्यादातर कीटाणुनाशक यह क्यों कहते हैं कि वे 99.9 फीसदी या 99.99 फीसदी कीटाणुओं को मार देते हैं, लेकिन ये कीटनाशक कभी भी 100 फीसदी कीटाणुओं को खत्म कर देने का वादा नहीं करते? शायद यह विचार आपके दिमाग में रसोई या बाथरूम की सफ़ाई करते समय आया हो।

निश्चित रूप से, हर तरह के अद्भुत काम करने में सक्षम विज्ञान की दुनिया में लोग ऐसा कीटाणुनाशक ज़रूर चाहेंगे जो 100 फीसदी कारगर हो। इस पहेली का जवाब पाने के लिए माइक्रोबायोलॉजी और गणित की थोड़ी समझ की ज़रूरत है।

कीटाणुनाशक एक ऐसा पदार्थ है जिसका इस्तेमाल निर्जीव वस्तुओं पर बैक्टीरिया, वायरस और अन्य रोगाणुओं को मारने या निष्क्रिय करने के लिए किया जाता है। हमारे घरेलू वातावरण में सतहों और वस्तुओं पर अनगिनत रोगाणु होते हैं। ज़्यादातर रोगाणु हानिकारक नहीं होते (और कुछ हमारे लिए अच्छे भी होते हैं), लेकिन उनका एक छोटा सा हिस्सा हमें बीमार कर सकता है। कीटाणुशोधन में भौतिक हस्तक्षेप जैसे गर्मी संबंधी उपचार या यूवी प्रकाश का उपयोग शामिल हो सकता है। सामान्यत: जब हम कीटाणुनाशकों के बारे में सोचते हैं तो हम सतहों या वस्तुओं पर रोगाणुओं को मारने के लिए रसायनों के उपयोग का उल्लेख कर रहे होते हैं। रासायनिक कीटाणुनाशकों में अक्सर अल्कोहल, क्लोरीन यौगिक और हाइड्रोजन पैरॉक्साइड जैसे सक्रिय तत्व होते हैं जो विभिन्न रोगाणुओं के महत्वपूर्ण घटकों को लक्षित करके उन्हें मार सकते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में हम सभी कोविड मामलों के प्रसार के संदर्भ में घातीय वृद्धि (एवर एक्सीलेरेटिंग रेट) की अवधारणा से परिचित हैं। इसमें संख्याएँ लगातार बढ़ती हैं, जिससे स्थिति खतरनाक हो सकती है। उदाहरण के लिए, यदि 100 बैक्टीरिया की कॉलोनी हर घंटे दोगुनी हो जाती है, तो 24 घंटे में बैक्टीरिया की आबादी 1.5 अरब से अधिक हो जाएगी।

इसके विपरीत, रोगाणुओं को मारना या निष्क्रिय करना एक लघुगणकीय क्षय (लॉगरिदमिक डिके) पैटर्न का अनुसरण करता है, जो अनिवार्य रूप से घातीय वृद्धि के विपरीत है। यहाँ, समय के साथ रोगाणुओं की संख्या कम हो जाती है, मृत्यु की दर धीमी हो जाती है क्योंकि रोगाणुओं की संख्या कम हो जाती है।

उदाहरण के लिए, यदि कोई विशेष कीटाणुनाशक हर मिनट 90 फीसदी बैक्टीरिया को मारता है, तो एक मिनट के बाद, मूल बैक्टीरिया का केवल 10 फीसदी ही बचेगा। अगले मिनट के बाद, शेष 10 फीसदी का 10 फीसदी बचेगा जो मूल मात्रा का मात्र एक फीसदी होगा। यह सिलसिला आगे चलता रहेगा। इस लघुगणकीय क्षय पैटर्न के कारण, यह दावा करना कभी भी संभव नहीं है कि किसी भी सूक्ष्मजीव आबादी को 100 फीसदी मारा जा सकता है। आप केवल वैज्ञानिक रूप से कह सकते हैं कि आप प्रारंभिक आबादी के अनुपात से सूक्ष्मजीव भार को कम करने में सक्षम हैं।

यही कारण है कि घरेलू उपयोग के लिए बेचे जाने वाले अधिकांश कीटाणुनाशक संकेत देते हैं कि वे 99.9 फीसदी कीटाणुओं को मारते हैं।

पिताजी को सबकुछ कांग्रेस की वजह से मिला, उन्हें इंदिरा गांधी ने बनाया था: अभिजीत मुखर्जी

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के पुत्र अभिजीत मुखर्जी ने अपनी बहन शर्मिष्ठा मुखर्जी के दावों को खारिज करते हुए कहा है कि उनके पिता को सार्वजनिक जीवन में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद समेत जो कुछ हासिल हुआ, वो कांग्रेस की बदौलत हुआ।

पूर्व सांसद मुखर्जी ने यह भी कहा कि उनके पिता का निधन कोविड काल में हुआ था और ऐसे में उस समय की कई पाबंदियों के चलते कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाकर श्रद्धांजलि नहीं दी जा सकी थी, हालांकि बाद में कार्य समिति ने श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

इससे, पहले प्रणब मुखर्जी की बेटी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद सिंह के सम्मान में कार्य समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित किए जाने का हवाला देते हुए कहा था कि उनके पिता के निधन पर कांग्रेस ने यह नहीं किया था।

शर्मिष्ठा ने 27 दिसंबर को 'एक्स' पर पोस्ट किया था, जब मेरे बाबा का निधन हुआ तो कांग्रेस ने शोक सभा के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाने की भी जहमत नहीं उठाई। एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे कहा था कि राष्ट्रपतियों के लिए ऐसा नहीं किया जाता। यह पूरी तरह से बकवास है, क्योंकि बाद में मुझे बाबा की डायरी से पता चला कि के. आर. नारायणन के निधन पर सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलायी गई थी और शोक संदेश खुद बाबा ने ही तैयार किया था।

उनके भाई अभिजीत मुखर्जी ने 'पीटीआई-वीडियो' के साथ बातचीत में उनकी बातों को खारिज किया। प्रणब मुखर्जी का निधन 31 अगस्त, 2020 को हुआ था।

कांग्रेस से दो बार लोकसभा सदस्य रहे मुखर्जी ने कहा, उस समय कोविड का दौर चल रहा था, तत्काल कार्य समिति की बैठक नहीं बुलाई गई थी, बाद में बुलाई गई थी। कार्य समिति में कई वरिष्ठ लोग थे, और उस समय आने-जाने की पाबंदी थी।

मृणाल ठाकुर ने दिखाई 'दिसंबर' की डायरी से खास पलों की झलक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने अपने सोशल मीडिया पर खास पोस्ट के जरिए प्रशंसकों को दिसंबर के रोमांच की झलक दिखाई। 'सीता रामम' फेम मृणाल ठाकुर ने दिल को छू लेने वाली तस्वीरों और वीडियो के साथ महीने के यादगार पलों को कैद किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए पोस्ट में मृणाल ने त्योहारों से लेकर अपने परिवार और दोस्तों के साथ बिताए खूबसूरत पलों के साथ-साथ उनकी संजोई हुई यादों की भी झलक दिखाई। तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने लिखा, दिसंबर हैदराबाद- मां। मृणाल ने सेट पर काम करते हुए खुद की क्लिप भी शेयर की, जिसमें उनकी आगामी प्रोजेक्ट्स के पर्दे के पीछे की झलक भी दिखाई दी। इससे पहले अभिनेत्री ने एक पोस्ट शेयर कर प्रशंसकों को बताया था कि उन्होंने 'डकैत' की शूटिंग पूरी कर ली है। अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में वह अपनी वैनिटी वैन में मेकअप करवाते दिखी थीं। आगामी फिल्म 'डकैत' में मृणाल ठाकुर अभिनेता अदिवी शेष के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। एक्शन-ड्रामा फिल्म के निर्देशक शेनिल देव हैं। यह एक गुस्सैल अपराधी की कहानी है जो अपनी पूर्व प्रेमिका से बदला लेने की योजना बनाता है जिसने उसे धोखा दिया था। किरदार के बारे में जानकारी देते हुए मृणाल ने बताया था, फिल्मों में मैं जिस किरदार को निभाने जा रही हूं, वह मुझे एक ऐसे रूप को दिखाने का मौका देगा जो मैंने एक कलाकार के तौर पर पहले कभी नहीं निभाया था। 'डकैत' की कहानी दर्शकों के लिए देखने लायक है। मैं शेनिल द्वारा कल्पना की गई दुनिया में उतरने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मृणाल ठाकुर के वर्कफ्रंट की बात करें तो टीवी जगत से निकलकर फिल्म जगत में अपने शानदार काम से छाने वाली अभिनेत्री मृणाल ठाकुर 'बाटला हाउस', 'सीता रामम' और 'हाय नन्ना' जैसी फिल्मों में शानदार काम कर चुकी हैं।

अल्लू अर्जुन की नियमित जमानत याचिका मामले में तीन जनवरी को फैसला

हैदराबाद/एजेन्सी

तेलुगु फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन के संध्या 70 एमएम थिएटर भगदड़ मामले में दायर नियमित जमानत याचिका पर नामपल्ली अदालत तीन जनवरी को अपना फैसला सुनाएगा। पुलिस ने अभिनेता की ओर से दायर जमानत याचिका के खिलाफ जवाबी हलफनामा दाखिल किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। फिलहाल अंतरिम जमानत पर चल रहे टॉलीवुड अभिनेता ने शुक्रवार को हैदराबाद के नामपल्ली आपराधिक न्यायालय में

याचिका दायर कर गत चार दिसंबर को अपनी नवीनतम फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति में 35 वर्षीय महिला की मौत से संबंधित मामले में नियमित जमानत की मांग की। दुखद घटना में उनके बेटे श्रीतेज को गंभीर चोटें आईं। अभिनेता के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज होने के बाद 13 दिसंबर को उन्हें गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने अभिनेता को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था और उन्हें कुछ समय के लिए चंचलगुडा जेल में रखा गया था। उनके वकील ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए मैं बहुत उत्सुक हूं : कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

मंडी लोकसभा सीट से भाजपा सांसद व मशहूर अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा है कि वह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए बहुत उत्सुक हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि वह अपनी धर्म संस्कृति से जुड़ें। क्योंकि, अपनी धर्म संस्कृति से जुड़ने में कोई शर्म की बात नहीं है। कंगना रनौत रविवार को जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य की राम कथा में पहुंची थीं। यहां उन्होंने राम कथा सुनी। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने जिस तरह से राम कथा सुनाई, मेरे साथ सभी भक्त भाव-विभोर हो गए। वह लोगों के धार्मिक कर्तव्य को राष्ट्रीय कर्तव्य से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रामभद्राचार्य जी से मेरी पहली मुलाकात अयोध्या में राम जन्मभूमि पर हुई थी। वो उस

वक्त एक यज्ञ कर रहे थे। मेरा मानना है कि जो इस मातृभूमि का नहीं हो सकता, वह किसी का नहीं हो सकता है।

'महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान पर भाजपा सांसद ने कहा कि बिल्कुल सही बात है। देखिए हमने इतिहास में कई बार देखा है कि चाहे वह अंग्रेजों का समय हो या अलग-अलग राजनीतिक दलों का दौर, हमें विभाजित करने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश को एकजुट करने का कार्य कर रहे हैं। महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए देश-विदेश से लोग आएंगे। मैं भी वहां जाने के लिए उत्सुक हूं।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का हिंदुत्व की ओर हो रहे झुकाव पर भाजपा सांसद ने कहा कि हम सभी को अपनी संस्कृति से जुड़ने में गर्व महसूस करना चाहिए। सनातन धर्म से जुड़ने में किसी को संकोच नहीं होना चाहिए।

हम सभी ने अपनी शिक्षा और जीवन के दौरान कहीं न कहीं भटकाव महसूस किया। लेकिन स्वामी विवेकानंद, सद्गुरु और स्वामी रामभद्राचार्य जैसे महापुरुषों ने हमें हमारी संस्कृति से जोड़ा। मैं युवाओं से यही कहना चाहती हूं कि अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने में कोई शर्म नहीं होनी चाहिए।

यामी गौतम को मिला 'एक्ट्रेस ऑफ द ईयर 2024' का अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री 'एक्ट्रेस ऑफ द ईयर 2024' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने हाल ही में नई दिल्ली में हुए न्यूज़मेकर्स अवॉर्ड्स के दौरान यामी गौतम धर को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया है। स्टेज पर स्मृति ने यामी के शानदार सफर की तारीफ की है। स्मृति ईरानी ने यामी गौतम धर की तारीफ करते हुए कहा, अक्सर अभिनेताओं के बारे में कहा जाता है कि उनकी कला और मेहनत उनके प्रदर्शन में झलकती है, जो किसी दिखावे या ग्लैमर से कहीं ज्यादा खास होती है। जब मैं यामी जैसी पब्लिक पर्सनालिटी को देखती हूं, जो अपने काम में ग्लैमर और गहराई के साथ-साथ कुछ मायने रखने वाली चीजें भी जोड़ती हैं, तो लगता है कि ये वाकई एक अच्छा साल रहा है। और जब हम दोनों इस स्टेज पर साथ खड़े होते हैं, तो वो पल और भी खास बन जाता है।

यामी को इस साल की फिल्म आर्टिकल 370 में उनकी दमदार परफॉर्मेंस के लिए सम्मानित किया गया। सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए यामी ने लिखा, 'आर्टिकल 370' के लिए एबीपीन्यूजटीवीसे यह सम्मान मिलने पर मैं आभारी हूं! यह अवॉर्ड हमारे दर्शकों और हमारी टीम के सभी सदस्य को समर्पित है, जिन्होंने इस फिल्म को बनाने के लिए कड़ी मेहनत की!

राजप्रोडक्शंस ने फिल्म के 35 साल पूरे होने पर 'मैंने प्यार किया' को दोबारा रिलीज किया

नयी दिल्ली। राजप्रोडक्शंस ने रविवार को घोषणा की कि उसने सलमान खान और भाग्यअभिनीत लोकप्रिय रोमांस फिल्म मैंने प्यार किया को फिल्म की 35वीं वर्षगांठ के अवसर पर फिर से रिलीज किया है। यह फिल्म 29 दिसंबर 1989 को रिलीज हुई थी और बतौर निर्देशक सूरज बड़जात्या की पहली फिल्म थी। यह बतौर मुख्य अभिनेता सलमान की पहली फिल्म थी और भाग्यकी पहली फिल्म थी। प्रोडक्शन बैनर राजप्रोडक्शंस ने इस अवसर पर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया।

पोस्ट के कैप्शन में लिखा, एक ऐसी फिल्म जिसने प्यार के बारे में हमारा नजरिया बदल दिया। गहरी दोस्ती से लेकर जादुई रोमांस तक, 'मैंने प्यार किया' एक कालातीत क्लासिक है जिसने लाखों लोगों के दिलों पर कब्जा कर लिया है। यह सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित एक शानदार और पहली उत्कृष्ट फिल्म है जिसने हमें जीवन भर के लिए प्रेम और सुमन दिए। इसमें लिखा है, चलो एक साथ मैने प्यार किया के 35 साल पूरे होने का जश्न मनाते हैं! हमें फिल्म मैने प्यार किया का अपना पसंदीदा डायलॉग बताएं।

बोहरा ब्रदर्स ने सिनेमा में 78 शानदार साल पूरे होने का जश्न मनाया

मुंबई/एजेन्सी

गीता बाली अभिनीत और श्री राम बोहरा द्वारा निर्मित पहली फिल्म 'लचक' से अपनी यात्रा की शुरुआत करने के बाद, दारा सिंह की 'हरक्यूलिस' और 'थीफ ऑफ बगदाद' (जो एक ही प्रोडक्शन हाउस द्वारा तीन बार बनाई गई सबसे दुर्लभ फिल्मों में से एक थी) जैसी कई सुपरहिट फिल्में बनाईं - पहली दलजीत और चित्रा के साथ, दूसरी दारा सिंह और निशि के साथ और तीसरी 'शत्रुघ्न सिन्हा, कबीर बेदी, सुलक्षणा पंडित' के साथ। इसके बाद 'डॉ. शैतान', 'गोल्डन आइज़', 'पुरस्कार', 'बिजली', 'बेहरूपिया', 'अल हिलाल' (जिसमें प्रतिष्ठित गीत हमें तो लूट लिया मिलके हुस्न वालों ने था) और कई अन्य फिल्में बनाईं। 80 के दशक के आखिर से - मिथुन चक्रवर्ती अभिनीत 'कालिया', 'मर्द', 'गंगा की कसम' जैसी फ़िल्में ब्लॉकबस्टर हिट रहीं, 'गैंग्स ऑफ़ वासेपुर' (गार्जियन की 100 सर्वश्रेष्ठ विश्वव्यापी फ़िल्मों में शामिल) 'शैतान', 'माइकल', 'नॉट ए लव स्टोरी' 'मस्तराम' जैसी सुपर ब्लॉकबस्टर फ़िल्में। इस सूची में राज कुमार राव की सबसे महत्वपूर्ण फ़िल्म 'शाहिद' शामिल है, जिसे हंसल मेहता ने निर्देशित किया है और 'मालेगांव का सुपरमैन' कंपनी ने 'तनु वेड्स मनु' और 'साहेब बीवी और गैंगस्टर' और चटगाँव जैसी फ़िल्में भी प्रस्तुत की हैं।

बोहरा ब्रदर्स के सह-संस्थापक सुनील बोहरा, जो तीसरी पीढ़ी के फिल्म निर्माता हैं, ने कहा, पहले दिन से ही कंपनी का उद्देश्य अनूठी और उच्च अवधारणा वाली कहानियों का चयन करना रहा है, जिसे हम आने वाले वर्षों में भी जारी रखेंगे। एक अंतर्राष्ट्रीय

स्टूडियो के साथ रणनीतिक गठबंधन और 2025-26 की स्लेट की घोषणा 2025 की पहली तिमाही में की जाएगी। बोहरा ब्रदर्स ने 48 गुजराती फिल्में भी बनाईं- उनमें से कई सिल्वर जुबली थीं जैसे 'सोन कंसारी', 'पाटली परमार', 'कोई नू मिंधल कोई ना हाथे', 'विफ्रेली वाघन', 'वेर नी आग' और 'छैल छबीला गुजराती'। बोहरा ब्रदर्स द्वारा निर्मित 2 राजस्थानी फिल्में - 'बाबा रामदेव' और 'मां माने क्यों परनाई'। टीवी वर्टिकल ने कुछ गेम चेंजिंग शो का निर्माण किया जैसे 'फेस द रिव्यू' (फिल्मों के निर्देशकों और अभिनेताओं की लाइव ऑडियंस के साथ समीक्षा करने वाला अपनी तरह का पहला शो) समीक्षक कोमल नहाटा, तिग्मांशु धूलिया द्वारा निर्देशित 'मोहल्ला महोब्बत वाला', 'सीता और गीता', 'मिर्ची टॉप 20', 'क्राइम एंड बॉलीवुड' और 'एनजी टेक्स'।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 31-12-2024
/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के बाबा गंगाराम सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को पैलेस ग्राउंड के प्रिन्सेस ग्रीन सभागार में दोपहर से झुंझनु वाले विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम मनोकामना पूर्ति महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया।

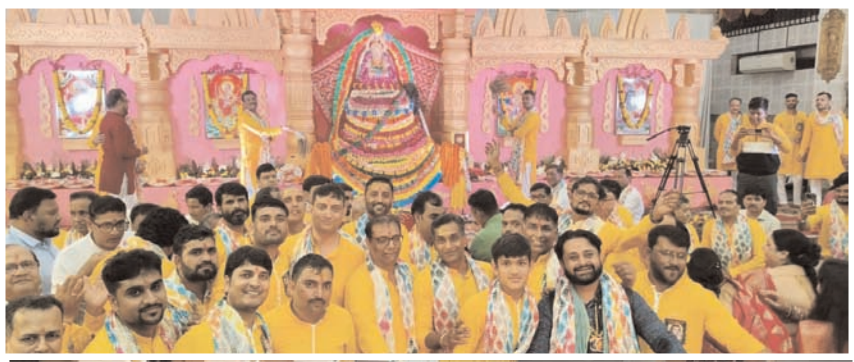

'शीश के दानी श्याम बाबा का सारे जग में डंका बाजे'

श्याम दीवाने ने सजाया बाबा का अलौकिक दरबार, झूमे श्याम भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्याम दीवाने के तत्वावधान में द्वादश वार्षिकोत्सव के रुप में 'सबका प्यारा–श्याम हमारा' भजन संध्या का आयोजन रविवार को विजयनगर स्थित सुगन्ना कल्याण मंडप में हर्षोल्लास से किया गया। रविवार को दोपहर में सबसे पहले पंड्ति मुरारी दाधीच ने पूरे मंत्रोच्चार के साथ संस्थापक सदस्य नंदलाल सोनी, ओमप्रकाश राठी, देव कोठारी, गिरी बागड़ी से बाबा की विशेष पूजा करवाई और अखंड ज्योत प्रज्वलित करवाई।

इस मौके पर कोलकाता के विशेष कारीगरों द्वारा बाबा श्याम, भगवान गणेश, हनुमानजी, दुर्गा मां व शिव पार्वतीजी का विशेष दरबार सजाया जाएगा। रंगीन व ताजे फूलों से बाबा का अलौकिक श्रृंगार किया गया था जो कि सभी भक्तों को अनायास ही अपनी ओर आकर्षिक कर रहा था। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाबा के दरबार

का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। दीप प्रज्वलन के बाद संस्था के गायक देव कोठारी ने गणेश वंदना की प्रस्तुति के साथ भजनों की प्रस्तुति दी। साथ ही संदीप सोनी, श्याम बगड़िया, मनोज मेहता, किशन बगड़िया, मास्टर मुकुंद आदि ने अपनी अपनी प्रस्तुति से बाबा को श्याम को रिझाया। भजन संध्या में कोलकाता के गायक राहुल गहरवाल ने मधुर भजनों से पूरा सभागार को श्याममय बना दिया। जब मुख्य भजन गायक रामकुमार लख्खा आए तो श्रद्धालुओं ने बाबा के जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया। लख्खा ने भगवान गणेश को याद करते हुए रामायण की चौपाई मंगल भवन अमंगल हारी से अपने भजनों की यात्रा शुरु की। रामकुमार लख्खा ने जब 'शीश के दानी का सारे जग में डंका बाजे....., पकड़ लो हाथ बनवारी, नहीं तो रुठ जाएंगे.......'भजन गाएं तो श्रद्धालुओं सहित श्याम दीवाने के सदस्यों ने नाच गाकर बाबा को रिझाया। लख्खा ने भजनों के बीच बीच में खाटू श्याम की विशेष जयकारें लगावाएं। इस श्याम महोत्सव में दिल्ली के संगीतकार नरेश पुनिया एंड पार्टी ने संगीत की प्रस्तुति दी। संस्था द्वारा सभी मेहमान गायकों व संगीतकारों का सम्मान किया गया तथा उन्हें कैलेंडर भेंट किया गया। इस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में राजगढ़ सादुलपुर नागरिक परिषद के अध्यक्ष प्रभात किशनपुरिया, श्याम गौशाला के प्रमुख सतीश मित्तल, गुरु पुण्यवानी कम्पनी के डायरेक्टर संजय बैद, दादीधाम प्रचार समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल, श्याम मंदिर ट्रस्ट के सुशील राणासरिया सहित बड़ी संख्या में अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बाबा गंगाराम मनोकामना पूर्ति महोत्सव में बाबा गंगाराम का हुआ गुणगान

- नृत्य नाटिका के माध्यम से जीवन चरित्र का हुआ चित्रण
- भक्त और भगवान का हुआ विशेष अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बाबा गंगाराम सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को पैलेस ग्राउंड के प्रिन्सेस ग्रीन सभागार में दोपहर से झुंझनु वाले विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम मनोकामना पूर्ति महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। रविवार को दोपहर में सबसे पहले समिति के अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता, सचिव मनीष अग्रवाल सहित समिति के अन्य सदस्यों द्वारा परिवार सहित बाबा की पूजा कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। तत्पश्चात मंत्रोच्चार के साथ 101 श्रद्धालु जोड़ों द्वारा बाबा गंगाराम, भक्त देवकीनंदन, आराधिका माता गायत्री का काजू, किशमिश, बेल पत्र, तुलसी पत्र से मनोकामना पूर्ति अभिषेक किया गया। तत्पश्चात मुंबई के गायक राकेश बावलिया ने गणेश वंदना से भजन संध्या की शुरूआत करते हुए भजनों की प्रस्तुति दी। कोलकाता के भजन गायक केशव

मधुकर ने निराले अंदाज में जब भजन ' बाबा गंगाराम हमारे, तेरे भरोसे–तेरे सहारे चले गुजारा भक्तो का ....., कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आज आणो है...., देना हो तो दीजिये जन्म जन्म का साथ...., पलके ही पलके ही बिछायेंग जब बाबा हमारे घर आएंगे ...., विष्णु के अवतारी है जिनका झुंझनु में है धाम बाबा गंगाराम .....' आदि की प्रस्तुति दी तो उपस्थित भक्तों ने नाच गाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

भजनों के बाद केशव ने विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम के चरित्र पर आधारित लीलाओं का वर्णन किया तथा कोलकाता के कलाकारों ने नृत्य नाटिका के साथ प्रस्तुति दी जो कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण का केन्द्र बना रहा। भक्त तो अपने आराध्य के बारे में और जानना चाहते थे और जो नए भक्त थे वे कुछ नया जानना चाहते थे। कार्यक्रम में पंचदेव मंदिर झुंझनु धाम की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की झलकियां प्रस्तुत की गई। दादी धाम प्रचार समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने केशव मधुकर का सम्मान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित बड़ी संख्या में भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा के दरबार व अखंड ज्योत के दर्शन किए। सभी भक्तों को पंचदेव मंदिर की रज वितरित की गई। बाबा गंगाराम के जन्मोत्सव प्रसंग पर बधाइयां बांटी गई।समिति की महिला सदस्यों द्वारा राजस्थानी वेषभूषा में विशेष झांकी प्रस्तुत की गई ।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज मे अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, प्राइड ग्रुप के मुरारीलाल सरावगी, स्वास्तिक सेवा संघ के सतीश मित्तल, संजय जालान, महेश अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, बाबा गंगाराम सेवा समिति मुंबई, जितेन्द्र अग्रवाल हुब्बल्ली, संजय अग्रवाल बड़ोदा, योगेश गुप्ता अहमदाबाद, वेदांत खेमानी, मधु गुप्ता, किशोर अग्रवाल, श्याम जिंदल, आनद बंसल, प्रियंका गोयनका, रोहित केडिया, रोहित धानुका, सुनील मोदी, जगमोहन अग्रवाल, रतनलाल सिंघल आदि गणमान्यों ने उपस्थित होकर हाजरी लगाई ।

'पाप और पुण्य ही जीवन के बाद भी साथ रहेंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में विराजित शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने अपने प्रवचन में प्रज्ञापना सूत्र के विशेष पद का वर्णन करते हुए कहा कि इंसान की इंद्रियों की शक्तियां 32 वर्ष की उम्र में पूर्ण रूप से खिलती है। परंतु उसके बाद धीरे–धीरे सभी इंद्रियों की शक्ति मंद पड़ती जाती है। भगवान महावीर ने जो सुख इंद्रियों के माध्यम से इंसान भोक्ता है, धीरे–धीरे जब इंद्रियों की शक्ति मंद पड़ जाती है, तो इंद्रियों के सुख भी छूटते जाते हैं। एक समय ऐसा आता है की चिकित्सकों के सहारे जीवन चलने लगता है। मृत्यु के आगे किसी की नहीं चलती है। यदि व्यक्ति के मन में मरने से पहले इस मन को मार लू, इच्छाओं को मार लू, संतोष को धारण कर लू, दूसरों का भला कुछ कर लू जो कुछ भी मेरे पास है वह सब कुछ यहां छोड़कर जाना ही पड़ेगा भाव आ जाते है तो उसका कल्याण हो सकता है। उसके पुण्य तथा जो बुरे काम किए उसका पाप यह दोनों तो पर भव में साथ चलेंगे। यह दोनों तो आत्मा के साथ ही रहेंगे। संसार की प्रवृत्तियों में मर्यादा और सीमा रहेगी तो ही कुछ सुकून और शांति मिलेगी। संघ महामंत्री संपतराज मंडोत ने सभी का आभार व्यक्त किया। संघ प्रवक्ता प्रसन्नचंद मांडोत ने सभी का स्वागत किया।

कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला के प्रतिभागियों को बांटे गए प्रमाणपत्र

तेयुप विजयनगर ने आयोजित किया दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा आयोजित कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का दीक्षांत समारोह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। पवन मांडोत ने श्रावक पत्र का वाचन व सभी का स्वागत किया। तेयुप विजयनगर को छठवीं बार सफल सीपीएस आयोजित करने की बधाई दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित उद्यमी और समाजसेवी संजय बैद ने सहभागियों को प्राप्त प्रशिक्षण को जीवन में आत्मसात करने हेतु अभ्यास, अभ्यास, अभ्यास की महत्ता बताई। सीपीएस के मुख्य प्रशिक्षक अरविंद मांडोत सहभागियों को आगे बढ़कर सीपीएस जोनल के लिए भी प्रोत्साहित किया।

शाखा प्रभारी रोहित कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किए। सीपीएस के प्रोविजनल नेशनल प्रशिक्षक नूतन लोढा, शैफाली जैन, धर्मश कोठारी, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने अपने विचार व्यक्त किए। तेयुप अध्यक्ष ने सबका स्वागत किया। तेयुप प्रबंध मंडल की प्रशिक्षकाओं का महिला मंडल की उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया व बरखा जैन ने सम्मान किया। इस अवसर पर 5 बेस्ट प्रतिभागियों, प्रायोजक परिवार एवं सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी भंवरलाल तेजकुमार मांडोत और सहसहयोगी रतनलाल उम्मेद नाहटा परिवार रहा। सप्तदिवसीय सीपीएस कार्यशाला के संभागियों ने विभिन्न विषयों पर अपनी प्रस्तुतियां दी। उनकी प्रस्तुतियों के आधार पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में अभातेयुप से राकेश पोखरणा, विकास बांठिया, प्रदीप चोपड़ा, तेयूप पूर्व अध्यक्ष राजेश छाजेड़ सहित अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे। सीपीएस संयोजक विनीत गांधी और गौरव चोपड़ा का अथक श्रम रहा। तेयुप सहमंत्री पवन बैद ने धन्यवाद दिया।

भावनाओं का प्रबंधन दिला सकता है जीवन में सफलता : डॉ. सुयशनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छीय जैन संत डॉ. पदमचंद्र महाराज की सुशिष्याएं जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी एवं डॉ. सुयोगनिधिजी के सान्निध्य में समणी सेंटर में चल रहे जैन अणुप्पेहा ध्यान योग साधना शिविर के समापन अवसर पर ध्यान की अगाध गहराई में जाने की कला सिखाई गई। डॉ. सुयशनिधिजी ने कहा कि भावनात्मक ट्रिगर्स वे घटनाएं, विचार, या परिस्थितियां होती हैं, जो हमारी गहरी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को उत्तेजित करती हैं। ये ट्रिगर्स किसी व्यक्ति के अतीत के अनुभवों, वर्तमान स्थिति, या व्यक्तिगत संवेदनाओं से जुड़ी हो सकती हैं। भावनात्मक ट्रिगर्स को समझना और प्रबंधित करना मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डॉ. सुयशनिधि ने निरंतर पांच दिन तक ऐसे ऐसे तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जिसे समझ कर अनेक श्रावक श्राविकाओं ने भरपूर लाभ लिया।

सत्र के अंत में सभी शिविरार्थियों को नियमित रूप से प्रतिदिन अभ्यास करने के लिए सारी आवश्यक निर्देश दिए गए। स्मृतिपटल पर शिक्षाएं बनी रहने के लिए नोट्स भी बांटे गए। समणीवृंद ने सभी अल्पाहार लाभार्थियों व सहयोगियों को साधुवाद दिया। सोमवार को अमावस्या के मौके पर जेपीपी जैन प्रसाद प्रोजेक्ट के तहत् लगभग 600 लोगों को भोजन प्रसाद भी बांटा गया।

सोमवती अमावस्या पर मानव सेवा समिति ने की गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। ओल्ड हुब्बल्ली के अभिनव नगर में स्थित विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा संचालित कष्टभंजन हनुमान मंदिर व गौशाला में सोमवती अमावस्या के अवसर पर मानव सेवा समिति द्वारा गौशाला में 6 थैला पशु आहार व 25 किलो गुड भेंट किया गया। इस मौके पर समिति के गणपत सिंह राठौड़, नारायणसिंह राठौड़, किशनसिंह भाटी, हरीश सैन, नरेशकुमार पटेल, नवीन देवासी, केवाराम आदि उपस्थित थे। विहिप के महानगर सेवा प्रमुख सुभाषचंद्रा डंक ने बताया की मानव सेवा समिति प्रति अमावस्या व पूर्णिमा पर अलग अलग स्थान पर सेवाकार्य करती है ।

भक्तामर महापूजन में धर्मशाला बनाने की घोषणा हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन दोस्ती फेडरेशन के तत्वावधान मे नौ दिवसीय संघ यात्रा का आयोजन के तहत मनोजकुमार हरण के नेतृत्व में व आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी की निश्रा में पालीताणा में भक्तामर महापूजन में पांच सौ जोड़ों ने भाग लिया। पूजन में फेडरेशन द्वारा दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे में 90 कमरे एवं साधु साध्वी उपाश्रय के साथ प्रवचन हाल युक्त सुसज्जित धर्मशाला बनाने की घोषणा की गई। आचार्यश्री ने धर्मशाला भूमिपूजन का मुहुर्त प्रदान कर दोस्ती फेडरेशन के इस पावन कार्य की सराहना की। इस मौके पर ट्रस्ट के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

'जीतो' हुब्बल्ली ने आयोजित किया स्वास्थ्य जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जीतो हुब्बल्ली चैप्टर ने केशवपुर के एसटी. भंडारी हॉल में स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा सेवाएं दी गर्स। एसडीएम कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. सलीमा बीजापुरी ने मधुमेह फिजियोथेरेपी पर चर्चा की। भावनात्मक स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती पर प्रिया उचिला ने जानकारी दी। डॉ. सिद्धगंगा ने उन्नत सीपीआर का प्रशिक्षण दिया। डॉ. निहाल कोठारी ने मौखिक स्वास्थ्य पर चर्चा की सत्रों के बाद निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक बाहुबल जैन, नवीन खिवेंसरा और विक्रम गुलेच्छा ने सेवाएं दी। इस मौके पर अनिलकुमार जैन, सोहन तातेड़, भरत पटवारी, पारस परमार, अशोक भंडारी, प्रवीण चौधरी, राजन जैन, धर्मेंद्र जैन, गीता छेड़ा, कविता बाफना, रोशन तातेड़, नीरव मोमाया, मनीष जैन आदि उपस्थित थे।

पुण्यस्मरण कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के स्नेहजीवी गेलेयारा बलगा द्वारा केपी अग्रहारा में डॉक्टर विष्णुवर्धन पुण्यस्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दिवंगत अभिनेता डॉक्टर विष्णुवर्धन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कर्नाटक सिनेमा जगत में उनके योगदान को याद किया। मुणोत ने अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com